Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 346
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार, 21 दिसम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

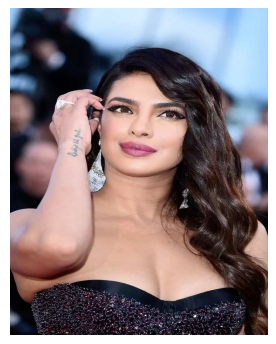

3 विज्ञान और इनोवेशन के ज़रिए मानव कल्याण ... 4 डिजिटल संचार में भविष्य की भाषा, संस्कृत... 7 कप्तान नया और कोच भी बदला, 2024 से.....

संक्षिप्त न्यूज

भाजपा का तीखा हमला

'देश विरोधी ताकतों के साथ मिलकर देश के बदनाम कर रहे हैं राहुल'

नई दिल्ली। भाजपा ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला और उन पर देश को बदनाम करने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, राहुल गांधी को जब संसद में रहना चाहिए, तब वो विदेश चले जाते हैं और भारत विरोधी शक्तियों से मिलते हैं।'

भाजपा ने राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर उठाए सवाल

गौरव भाटिया ने कहा, 'विदेशी जमीन पर जाकर भारत को बदनाम करना, देश विरोधी ताकतों से मिलना, ये किसी और के द्वारा नहीं बल्कि हमारे लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा किया जा रहा है। ये बेहद चिंताजनक है और भारत के नागरिकों में इसे लेकर बेहद गुस्सा है।' भाजपा प्रवक्ता ने राहुल गांधी की हालिया जर्मनी यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि राहुल गांधी संसद सत्र के दौरान विदेश यात्रा करते हैं। उन्होंने कहा कि 'लोकसभा में विपक्ष के नेता, जब संसद सत्र चल रहा था, तब विदेश यात्रा पर गए। वहां वे प्रोफेसर डॉ. कोर्नेला वॉल से मिले, इससे उनके एजेंडे और उनकी मंशा पर सवाल खड़े होते हैं।'

जॉर्ज सोरोस को लेकर राहुल पर भाजपा का निशाना

भाटिया ने कहा, 'राहुल गांधी और जॉर्ज सोरोस, दो शरीर और एक आत्मा जैसे हैं। यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी किसी देश-विरोधी गतिविधि में शामिल हुए हैं।' भाजपा नेता ने कहा, राहुल गांधी विदेश जाते हैं और देश के दुश्मनों से मिलते हैं। यह किस तरह का देश विरोधी एजेंडा है, जहां नेता विपक्ष ही देश के खिलाफ साजिश रचने वाले लोगों से मिल रहे हैं?

असम में बोले पीएम मोदी, ब्रह्मपुत्र की तरह डबल इंजन वाली सरकार के नेतृत्व में निर्बाध रूप से बह रही विकास की धारा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यहां लोकप्रिय गोपीनाथ बरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया और कहा कि जिस प्रकार असम में ब्रह्मपुत्र नदी निरंतर बहती है, उसी प्रकार भाजपा की दो इंजन वाली सरकार के नेतृत्व में राज्य में विकास की धारा निर्बाध रूप से बह रही है। एक सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आधुनिक, विश्व स्तरीय हवाई अड्डे की सुविधाएं किसी भी राज्य के लिए नई संभावनाएं और अवसर खोलती हैं और ये राज्य के बढ़ते आत्मविश्वास और जनता के भरोसे के स्तंभ बनती हैं।

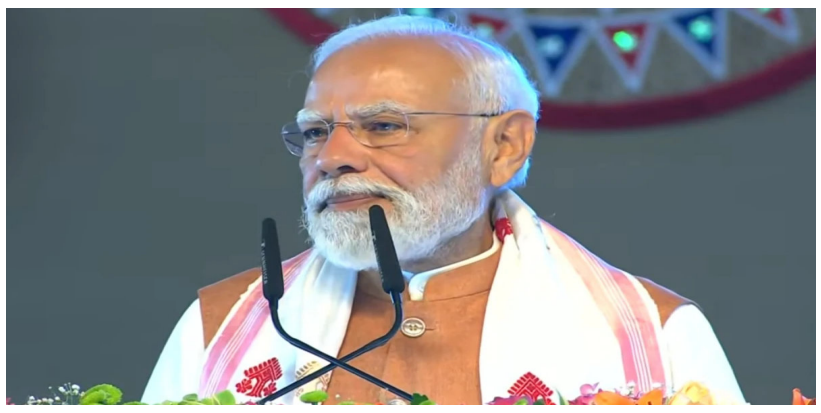

मोदी ने ने कहा कि आज विकास का उत्सव है। और यह केवल असम का नहीं, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर के विकास का उत्सव है... पूरा देश देखेगा कि असम विकास का उत्सव मना रहा है। उन्होंने आगे कहा कि असम की मिट्टी से मेरा लगाव, यहां की जनता का प्यार और स्नेह, और विशेष रूप से असम और पूर्वोत्तर की माताओं और बहनों का प्यार मुझे निरंतर प्रेरित करता है, जिससे पूर्वोत्तर के विकास के प्रति हमारा संकल्प और मजबूत होता है। आज असम के विकास में एक नया अध्याय जुड़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नए हवाई अड्डे के टर्मिनल में कदम रखते ही विकास और विरासत के मंत्र का सही अर्थ स्पष्ट हो जाता है। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे को असम की प्रकृति और संस्कृति को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है और यह हरियाली से भरपूर है, इसलिए यहां आने वाले प्रत्येक यात्री को शांति और सुकून का अनुभव होगा।

उन्होंने कहा कि आज एक बार फिर असम के विकास में एक नया अध्याय जुड़ रहा है... जिस प्रकार असम में ब्रह्मपुत्र नदी निरंतर बहती है, उसी प्रकार भाजपा की दोहरी इंजन सरकार के नेतृत्व में विकास की धारा यहां निर्बाध रूप से बह रही है।

प्रधानमंत्री ने बांस को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि 2014 से पहले हमारे देश में एक कानून था जिसके तहत बांस को काटना प्रतिबंधित था क्योंकि इसे वृक्ष माना जाता था। जबकि विश्व बांस को एक पौधा मानता है। हमने उस कानून को हटाकर बांस को घास की श्रेणी में रखकर उसे उसका उचित सम्मान दिलाया।'

ट्रंप से समझौते के लिए पारित किया SHANTI विधेयक, कांग्रेस का प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने शनिवार को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर सतत परमाणु ऊर्जा संवर्धन और विकास विधेयक (शांति) को पारित करने को लेकर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसे अमेरिकी हितों की पूर्ति के लिए संसद में जबरदस्ती पारित कराया गया और प्रधानमंत्री को अपने कभी अच्छे दोस्त के साथ शांति समझौते को बहाल करने में मदद करने के लिए ऐसा किया गया - हालांकि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया। रमेश की आलोचना राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा हाल ही में वित्त वर्ष 2026 के लिए अमेरिकी राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) पर हस्ताक्षर करने की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें परमाणु दायित्व नियमों पर भारत और अमेरिका के बीच संयुक्त आकलन का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इस घटनाक्रम ने संसद में शांति विधेयक को जबरदस्ती पारित कराने के पीछे के असली कारण को उजागर कर दिया है। एक बयान में रमेश ने कहा कि अमेरिकी कानून 3,000 से अधिक पृष्ठों का है और इसमें एक खंड शामिल है जो परमाणु दायित्व मानदंडों को संरेखित करने के लिए भारत के साथ परामर्श का उल्लेख करता है। उन्होंने एक्स पर उपरोक्त खंड से संबंधित अनुभाग के स्क्रीनशॉट साझा करते हुए पोस्ट किया राष्ट्रपति ट्रंप ने अभी-अभी अमेरिकी वित्तीय वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अधिनियम 3,100 पृष्ठों का है। पृष्ठ 1,912 पर परमाणु दायित्व नियमों पर संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच संयुक्त मूल्यांकन का उल्लेख है।

रमेश के अनुसार, इस संदर्भ से यह स्पष्ट हो गया कि सरकार ने इस सप्ताह की शुरुआत में शांति विधेयक को इतनी जल्दी पारित करने का फैसला क्यों लिया। उन्होंने कहा कि अब हमें पक्का पता चल गया है कि प्रधानमंत्री ने इस सप्ताह की शुरुआत में शांति विधेयक को संसद में इतनी जल्दी क्यों पारित करवाया, जिसमें अन्य बातों के अलावा, परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 के प्रमुख प्रावधानों को समाप्त कर दिया गया है।

22 दिसबंर को विशेष अवकाश पीठ की की अध्यक्षता करेंगे मुख्य न्यायाधीश, जरूरी मामलों को सुनेंगे

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत 22 दिसंबर को एक विशेष अवकाश पीठ में बैठेंगे ताकि कुछ जरूरी मामलों की सुनवाई की जा सके। इसमें ऐसे मामलों को सुना जाएगा जो बहुत जरूरी हैं। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर साझा की गई कार्य सूची के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस जॉयमाल्य बागची के साथ, सुबह 11 बजे अवकाश पीठ में 17 मामलों की सुनवाई करेंगे, जिसमें कई आपराधिक और सिविल मामले शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, 'भारत के मुख्य न्यायाधीश ने चल रही कोर्ट की छुट्टियों के दौरान बहुत जरूरी मामलों की सुनवाई के लिए एक विशेष अवकाश पीठ का गठन किया है। इस बेंच में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची शामिल हैं, और यह सोमवार, 22 दिसंबर, 2025 को जरूरी मामलों की सुनवाई के लिए बैठेगी।'

इसमें कहा गया है कि यह विशेष बैठक छुट्टियों के दौरान ऐसे जरूरी मामलों पर समय पर विचार सुनिश्चित करने के लिए आयोजित की गई है जिनमें तुरंत न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है। शुक्रवार को, सीजेआई कांत ने कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट की क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के पहले दिन, 22 दिसंबर को जरूरी मामलों की सुनवाई के लिए बैठने को तैयार हैं। सुप्रीम कोर्ट क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के कारण 22 दिसंबर से 2 जनवरी, 2026 तक बंद रहेगा।

कर्नाटक कांग्रेस में सीएम पद को लेकर चर्चा फिर तेज, शिवकुमार बोले- हाईकमान के बुलाने पर जाएंगे दिल्ली

बंगलूरू।कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर महीनों से चली आ रही है रस्साकशी के बीच उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार का बड़ा बयान सामने आया है। शनिवार को उन्होंने साफ-साफ कहा कि इस मुद्दे पर फैसला कांग्रेस हाईकमान ही करेगा। उन्होंने कहा कि उन्हें और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया दोनों को यह बताया गया है कि कब दिल्ली बुलाया जाएगा और जब बुलावा आएगा, तब दोनों साथ में दिल्ली जाएंगे। पत्रकारों से बातचीत के दौरान डीके शिवकुमार ने कहा कि मैं आप लोगों को बताए बिना कुछ नहीं करूंगा।

शिवकुमार ने आगे कहा कि मैं छुपकर कहीं नहीं जाऊंगा। हाईकमान ने हमें फोन पर बताया है कि सही समय पर बुलाया जाएगा। हम दोनों इसी बात का इंतजार कर रहे हैं। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या दिल्ली आने का न्योता मिल गया है, तो उन्होंने कहा कि हाईकमान ने दोनों नेताओं से

बात की है और कहा है कि उचित समय पर बैठक होगी।

सिद्धारमैया के बयान के बाद आई प्रतिक्रिया

बता दें कि डीके शिवकुमार का यह बयान ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विधानसभा में कहा था कि वह अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस हाईकमान उनके पक्ष में है और 2023 में ढाई-ढाई साल के मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ था। इसपर डीके शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने हाईकमान की मौजूदगी में आपसी सहमति से एक समझौता किया है और दोनों नेता उसी का पालन करेंगे।

दरअसल, कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा होने के बाद, यानी 20 नवंबर को मुख्यमंत्री बदलने को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। इन अटकलों की वजह 2023 में बताया गया वह 'पावर शेयरिंग फॉर्मूला' है, जिसके तहत ढाई-ढाई साल मुख्यमंत्री रहने की चर्चा थी। इसी बीच कुछ नागा साधु डीके शिवकुमार के घर पहुंचे और उन्हें आशीर्वाद दिया, जिसे लेकर भी राजनीतिक चर्चाएं हुईं।

दिल्ली दौरे पर भी बोले शिवकुमार

इसके साथ ही डीके शिवकुमार ने बताया कि वह मंगलवार को दिल्ली जा रहे हैं, लेकिन यह यात्रा नेतृत्व विवाद से जुड़ी नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के जल संसाधन मंत्रालय ने उन्हें नदी जोड़ो परियोजना को लेकर बुलाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में वह महादयी, कृष्णा जल विवाद, मेकेदातु और अपर भद्रा परियोजना जैसे कर्नाटक से जुड़े अहम जल मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा वह केंद्रीय जल संसाधन मंत्री, वन मंत्री और शहरी विकास मंत्री से भी मुलाकात करेंगे।

पंजाब में टला 'रेल रोको' आंदोलन, पर किसानों ने दी चेतावनी- सिर्फ स्थगित हुआ, वापस नहीं

चड़ीगढ़। पंजाब के किसानों ने प्रस्तावित रेल रोको आंदोलन को लेकर अपना फैसला बदल दिया है। 20 दिसंबर को होने वाला यह विरोध प्रदर्शन राज्य सरकार के आश्वासन के बाद स्थगित कर दिया गया है। किसान नेता सरवन सिंह भंडार ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार शाम को सरकार के साथ बैठक हुई, जिसमें किसानों को आश्वासन दिया गया कि बिजली संशोधन विधेयक पंजाब में लागू नहीं किया जाएगा। सरकार ने स्मार्ट बिजली मीटर लगाने के संबंध में भी सकारात्मक आश्वासन दिया और कहा कि ऐसे मीटर राज्य में नहीं लगाए जाएंगे।

किसान नेताओं ने स्पष्ट किया कि आंदोलन को स्थगित करने का निर्णय सरकार के आश्वासनों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आंदोलन वापस नहीं लिया गया है, बल्कि केवल स्थगित किया गया है। इस बीच, किसानों की लंबित मांगों पर चर्चा करने के लिए किसान प्रतिनिधियों और सरकार के बीच 22 दिसंबर को एक और बैठक निर्धारित की गई है। किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के आह्वान पर और दशमेश किसान मजदूर यूनियन के समर्थन से आयोजित यह विरोध प्रदर्शन पंजाब भर में 18 और 19 दिसंबर को जिला आयुक्त कार्यालयों के बाहर चल रहे दो दिवसीय राज्यव्यापी आंदोलन का हिस्सा था।

प्रदर्शन के दौरान, किसानों ने राज्य सरकार द्वारा किसान समुदाय से किए गए वादों को पूरा न करने और 5 दिसंबर को रेल रोको आंदोलन से कुछ घंटे पहले यूनियन नेताओं की गिरफ्तारी के बाद किसानों के लोकतांत्रिक अधिकारों पर कथित अंकुश लगाने के खिलाफ भी विरोध जताया। सभा को संबोधित करते हुए, यूनियन नेताओं ने कहा कि कृषि के लिए सस्ती और विश्वसनीय बिजली अत्यंत महत्वपूर्ण है और चेतावनी दी कि बिजली की दरों में किसी भी प्रकार की वृद्धि से खेती की लागत और बढ़ जाएगी, जिससे छोटे और सीमांत किसान और भी अधिक वित्तीय संकट में फंस जाएंगे।

शशि थरूर का बांग्लादेश पर फूटा गुस्साः हिंदू युवक की बर्बर हत्या पर उठाए तीखे सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को बांग्लादेश में कथित ईशनिंदा के आरोप में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने की घटना की कड़ी निंदा की। थैरूर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'बांग्लादेश में व्याप्त भीड़तंत्र के बीच यह एक असहनीय रूप से दुखद घटना है। इस निर्दयी हिंदू युवक की निर्मम अपराधियों के हाथों हुई हत्या पर शोक व्यक्त करते हुए, मैं बांग्लादेश सरकार द्वारा जारी निंदा की सराहना करता हूं। अपनी पोस्ट में उन्होंने बांग्लादेश सरकार से अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई और ऐसी घटनाओं को रोकने के उपायों के बारे में सवाल किया। भारतीय राजनयिक ने यह बयान बांग्लादेश में मुसलमानों द्वारा हिंदू युवक की हत्या की अमानवीय घटना के बारे में एक कार्यकर्ता की पोस्ट के जवाब में दिया। इससे पहले, घटना पर टिप्पणी करते हुए, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार से बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपू की हत्या के बाद हिंदू, ईसाई और बौद्ध अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा

का संज्ञान लेने का आग्रह किया। बांग्लादेश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय ने एक बयान में कहा कि कल (18 दिसंबर) रात करीब 9:00 बजे मयमनसिंह के भालुका में बदमाशों के एक समूह ने तथाकथित ईशनिंदा के आरोप में दीपू चंद्र दास नामक एक कपड़ा मजदूर की बेरहमी से पीट-पीट कर हत्या कर दी। इसके बाद उन्होंने शव को पेड़ से लटकाकर आग लगा दी, जिससे सांप्रदायिक सद्भाव को भंग करने वाली घटनाएं हुईं। इसके अलावा, परिषद ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और अनुकरणीय दंड सुनिश्चित करने की मांग की।

इस बीच, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भी इस घटना की निंदा की। अंतरिम सरकार ने एक बयान में कहा कि हम मयमनसिंह में एक हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या की कड़ी निंदा करते हैं। नए बांग्लादेश में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। इस जघन्य अपराध के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

हार से बचने के लिए हटाए गए 73 लाख मतदाताओं के नाम, आप का आरोप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूचियों से 7,373,000 मतदाताओं के नाम हटाए जाने के मुद्दे पर बोलते हुए भाजपा सरकार की आलोचना की। गढ़वी ने कहा कि बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने से पता चलता है कि भाजपा घबरा गई है और आगामी चुनावों में उसे करारी हार का सामना करना पड़ सकता है। एसआईआर मुद्दे पर बोलते हुए गढ़वी ने आरोप लगाया कि गुजरात भर में मतदाता सूचियों से 7,373,000 मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। इसके जवाब में आम आदमी पार्टी ने अपने नाम हटाए गए नागरिकों की सहायता के लिए 20,000 बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए-2) की एक समर्पित टीम तैनात की है। गढ़वी ने कहा,भाजपा के 30 वर्षों के कुशासन का असर अब जनता पर दिखने लगा है। उन्होंने आगे कहा कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने से पता चलता है कि सत्ताधारी पार्टी अपनी पकड़ खो रही है। उन्होंने कहा कि किसानों, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं और मध्यम वर्ग सहित समाज के विभिन्न वर्गों में व्यापक असंतोष बढ़ रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता ने इस आंदोलन के माहौल में योगदान देने वाली कई शिकायतों को उजागर किया, विशेष रूप से किसानों के संघर्ष, कम वेतन, कर्मचारियों के लिए न्याय की कमी और भारतीय जनता पार्टी के प्रति आम आक्रोश का जिक्र किया।

नेशनल हेराल्ड केस में हाई कोर्ट में अर्जी, सोनिया, राहुल को मिली राहत को ईडी ने दी चुनौती

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत को खारिज करने वाले निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया है। इस याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई होने की संभावना है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राउज़ एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने द्वारा 16 दिसंबर को पारित आदेश को चुनौती दी है। निचली अदालत ने माना था कि गांधी परिवार के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर अभियोजन शिकायत कानून की दृष्टि से मान्य नहीं है, क्योंकि यह धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अनुसूचित अपराध से संबंधित एफआईआर पर आधारित नहीं है।

इसमें कहा गया था कि धन शोधन की कार्यवाही डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा सीआरपीसी की धारा 200 के तहत दायर की गई निजी शिकायत पर संज्ञान और समन आदेश के आधार पर की गई थी, न कि एफआईआर के आधार पर। ईडी ने राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 की धारा 44 और 45 के तहत धन शोधन के अपराध के लिए एक नई अभियोग शिकायत दर्ज की थी, जैसा कि धारा 3 को धारा 70 के साथ पढ़ा जाए और पीएमएलए, 2002 की धारा 4 के तहत दंडनीय है।

यह विवाद अब बंद हो चुके नेशनल हेराल्ड अखबार के प्रकाशक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के अधिग्रहण से जुड़ा है। 2010 में नवगठित कंपनी यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएल) ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से ?50 लाख में एजेएल का कर्ज खरीद लिया। इसके बाद, वाईआईएल ने एजेएल की ?2,000 करोड़ से अधिक की संपत्ति पर नियंत्रण कर लिया। सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पास वाईआईएल में बहुमत हिस्सेदारी थी, जिसके चलते उन पर आरोप लगे कि उन्होंने एजेएल की मूल्यवान संपत्तियों पर कब्जा करने के लिए पार्टी के फंड का इस्तेमाल किया।

गौरव गोगोई ने असम में हाथियों की मौत पर जताई चिंता, कहा- दूरदर्शिता और जवाबदेही की कमी से बढ़ रही त्रासदियां

गुवाहटी। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने असम में राजधानी एक्सप्रेस से टक्कर के बाद आठ हाथियों की मौत पर गहरी चिंता व्यक्त की है और राज्य में बढ़ते मानव-पशु संघर्ष को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि दूरदर्शिता और जवाबदेही की कमी के कारण ऐसी त्रासदियां लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि असम में राजधानी एक्सप्रेस से टक्कर के बाद आठ हाथियों की मौत बेहद चिंताजनक है और राज्य में बढ़ते मानव-पशु संघर्ष की चुनौती को रेखांकित करती है। ऐसी घटनाएं हाल के वर्षों में प्राकृतिक आवासों के तेजी से क्षय और विखंडन की ओर इशारा करती हैं। वर्तमान सरकार के तहत अनियोजित और अनियमित विकास के कारण वन क्षेत्र सिकुड़ रहा है और पारंपरिक प्रवासन मार्ग बाधित हो रहे हैं, साथ ही पारिस्थितिक सुरक्षा उपायों का भी कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, दूरदर्शिता और जवाबदेही की कमी ने इन त्रासदियों को और भी अधिक बढ़ा दिया है। विकास नीतियों में अल्पकालिक मुनाफे के बजाय लोगों, समुदायों और पर्यावरण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस संतुलन की अनदेखी करने से असम में पारिस्थितिक क्षति और सामाजिक लागत और भी बढ़ जाती है।आज तड़के, एन.एफ. रेलवे के लुमडिंग डिवीजन के जमुनामुख-कामपुर खंड में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, जिसमें ट्रेन संख्या 20507 डीएन सैरांग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस हाथियों से टकरा गई।

नवी मुंबई महानगरपालिका में चुनाव निर्णय अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

15 जनवरी, 2026 को होने वाले नवी मुंबई महानगरपालिका आम चुनावों के लिए राज्य चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त चुनाव निर्णय अधिकारियों और छठे चुनाव अधिकारियों के लिए महानगरपालिका मुख्यालय में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया ताकि नवी मुंबई महानगरपालिका चुनाव निष्पक्ष और त्रुटि रहित तरीके से संपन्न हो सकें। इस अवसर पर आचार संहिता टीम के प्रमुख और अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार, चुनाव विभाग के उपायुक्त भागवत दोइफोडे और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इस प्रशिक्षण में नामांकन पत्रों के लिए आवश्यक दस्तावेज, नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया, जांच प्रक्रिया, वैध रूप से नामांकित उम्मीदवारों की सूची के प्रकाशन की

प्रक्रिया, चुनाव चिन्ह आवंटित करने की प्रक्रिया, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची के प्रकाशन की प्रक्रिया, उम्मीदवारों के चुनाव खर्च आदि विभिन्न मामलों पर विस्तृत जानकारी दी गई। चुनाव विभाग के उपायुक्त भागवत दोइफोडे ने अपने प्रेजेंटेशन के माध्यम से चुनाव कार्यक्रम के हर चरण के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न मामलों पर उठाए गए संदेहों को भी दूर किया।

सभी आठ डिवीजनों में चुनाव निर्णय अधिकारियों के कार्यालय खोल दिए गए हैं और पूरी चुनाव प्रक्रिया वहीं से संचालित की जाएगी। इस अवसर पर निर्देश दिए गए कि नागरिकों की सुविधा के लिए इन कार्यालयों में तुरंत एक चुनाव हेल्पडेस्क शुरू किया जाए। निर्देश दिया गया कि चुनाव निर्णय अधिकारी अपने अधिकार क्षेत्र में राजनीतिक दलों की बैठक बुलाएं और उन्हें चुनाव के संबंध में पूरी जानकारी दें और यह सुनिश्चित करने पर पूरा ध्यान दें कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन न हो। आयुक्त ने संभागीय अधिकारियों को डबल मतदाता सत्यापन अभियान को शीघ्र और सटीक रूप से पूरा करने का भी निर्देश दिया।

रिटर्निंग अधिकारी ने राय व्यक्त की कि चुनावों से संबंधित सभी पहलुओं पर प्रारंभिक अध्ययन प्रदान करने के लिए आयोजित यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चुनावों को सुनियोजित और समान तरीके से आयोजित करने के लिए उपयोगी है।

स्पेशल टीमें आचार संहिता के उल्लंघन पर कड़ी नज़र रखेंगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आम चुनावों के लिए मॉडल कोड ऑफ़ कंडक्ट की घोषणा राज्य चुनाव आयोग ने 15 दिसंबर को की थी और आचार संहिता के पालन की निगरानी और नियंत्रण के लिए, एडिशनल कमिश्नर श्री सुनील पवार की देखरेख में एक कोड ऑफ़ कंडक्ट सेल और कई टीमें बनाई गई हैं। म्युनिसिपल कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में, नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन क्षेत्र में आठ चुनाव निर्णय अधिकारियों के ऑफिस खोले गए हैं और पहले चरण में हर ऑफिस के लिए तीन कोड ऑफ़ कंडक्ट टीमों को एक्टिव किया गया है। इसमें एक स्टेशनरी सर्वे टीम, एक फ्लाइंग टीम और एक वीडियो सर्विलांस टीम काम कर रही है। इसके साथ ही, हर डिपार्टमेंट के लिए अलग-अलग वीडियो सर्विलांस टीमें भी काम करेंगी। ये टीमें आचार संहिता के उल्लंघन पर कड़ी नज़र रखेंगी, जैसे कि वोटरों को रिश्वत देना, सामान - पैसा - शराब या दूसरे लालच देना, डराना-धमकाना वगैरह। ये टीमें धार्मिक या सामाजिक तनाव, प्रतियोगिताओं की गलत आलोचना, पूजा स्थलों का इस्तेमाल, घोषणाएं और विज्ञापन,

कार्यक्रमों का आयोजन जैसे आचार संहिता के अलग-अलग मुद्दों पर कड़ी नज़र रखेंगी और वीडियो फोटोग्राफी भी की जाएगी।

एडिशनल कमिश्नर सुनील पवार की देखरेख में, प्रॉपर्टी टैक्स डिपार्टमेंट के डिप्टी कमिश्नर डॉ. अमोल पालवे निगरानी के काम में कोऑर्डिनेटिंग ऑफिसर होंगे। साथ ही, ट्रांसपोर्ट एंटरप्राइज के चीफ अकाउंट्स और फाइनेंस ऑफिसर श्री तुषार दौंडकर आचार संहिता की अलग-अलग टीमों के कोऑर्डिनेटिंग ऑफिसर के तौर पर काम करेंगे। मॉडल कोड ऑफ़ कंडक्ट शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और सभ्य तरीके से चुनाव कराने के लिए नैतिक गाइडलाइंस का एक सेट है और नागरिकों के शांति के अधिकार को बनाए रखने और समान अवसर प्रदान करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसके लिए, नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन सभी से मॉडल कोड ऑफ़ कंडक्ट का पालन करने की अपील कर रहा है।

अगर नागरिकों को आचार संहिता के उल्लंघन के संबंध में कोई शिकायत या सुझाव है, तो नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने टोल फ्री नंबर 1800222309 / 1800222310 उपलब्ध कराया है और नागरिकों से अनुरोध है कि वे ज़रूरत के हिसाब से इसका इस्तेमाल करें और नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के साथ सहयोग करें। ऐसे हेल्प डेस्क जल्द ही डिपार्टमेंट ऑफिस लेवल पर भी शुरू किए जा रहे हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे की भुसावल मंडल कार्यालय में समीक्षा बैठक

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

शनिवार को केंद्रीय राज्य मंत्री (युवा कार्य एवं खेल) श्रीमती रक्षा निखिल खडसे ने भुसावल मंडल रेल कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। यह बैठक मुख्य रूप से रावेर लोकसभा क्षेत्र से संबंधित रेलवे विकास कार्यों पर केंद्रित रही।

बैठक की शुरुआत मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल द्वारा मंडल में चल रही एवं पूर्ण हो चुकी विभिन्न आधारभूत संरचना परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने से हुई। उन्होंने मंत्री को रेलवे परियोजनाओं, उन्नयन कार्यों एवं स्थानीय सुविधाओं के विकास में हुई उल्लेखनीय प्रगति से अवगत कराया, जिनमें से कई परियोजनाएँ पहले ही पूर्ण की जा चुकी हैं।

इसके पश्चात केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा खडसे ने रावेर लोकसभा क्षेत्र से संबंधित निम्नलिखित प्रमुख विषयों पर चर्चा की–

रावेर संसदीय क्षेत्र में सभी इंजीनियरिंग कार्य

पिंपलगांव गेट नंबर 5 का कार्य अजांदा-रावेर लिमिटेड हाइट सबवे

भुसावल-बडनेरा तीसरी रेल लाइन परियोजना का विकास

भुसावल-खंडवा तीसरी एवं चौथी रेल लाइन परियोजना का विकास

बोडवड रोड ओवर ब्रिज

नांदुरा गेट नंबर 19 एवं 20

गेट नंबर 3 से संबंधित भूमि अधिग्रहण का मुद्दा

भुसावल-पुणे नई एक्सप्रेस ट्रेन की मांग

मध्य रेलवे पर भुसावल-मुंबई नई एक्सप्रेस ट्रेन की मांग

केन्द्रीय मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सभी विकास कार्यों को शीघ्र एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) सुनील कुमार सुमन, अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी) एम. के. मीणा सहित मंडल के संबंधित शाखा अधिकारी उपस्थित थे।

मध्य रेल के महाप्रबंधक ने अंतर-मंडल सांस्कृतिक प्रतियोगिता-2025 के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए

मुंबई मंडल की सांस्कृतिक टीम ने सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के लिए 'सरताज' पुरस्कार जीता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के महाप्रबंधक और मध्य रेल सांस्कृतिक अकादमी (सीआरसीए) के संरक्षक विवेक कुमार गुप्ता ने शनिवार को सीएसएमटी स्थित मध्य रेल सभागार में अंतर-मंडल सांस्कृतिक प्रतियोगिता-2025 के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

मध्य रेल सांस्कृतिक अकादमी (सीआरसीए) द्वारा 17 से 19 दिसंबर तक आयोजित तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में मध्य रेल कर्मचारियों और उनके बच्चों की कलात्मक प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन हुआ। पुरस्कार समापन दिवस शनिवार 19 दिसंबर को प्रदान किए गए।

मुंबई मंडल की सांस्कृतिक टीम ने 49 अंक और विभिन्न श्रेणियों में 9 पुरस्कार जीतकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीम का 'सरताज' पुरस्कार प्राप्त किया। मुख्यालय की सांस्कृतिक टीम ने भी 9 पुरस्कार जीते। परेल वर्कशॉप और माटुंगा वर्कशॉप की सांस्कृतिक टीमों ने 3-3 पुरस्कार जीते।

मुंबई मंडल के कलाकारों ने शास्त्रीय एकल नृत्य और समूह नृत्य में प्रथम पुरस्कार जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त, मुंबई मंडल के विभिन्न कलाकारों ने संगीत, नृत्य, नाटक और बैक स्टेज के योगदान के लिए पुरस्कार जीते।

मुख्यालय की टीम के कलाकारों ने संगीत के क्षेत्र में भी अपना दबदबा कायम रखा और शास्त्रीय संगीत गायन, शास्त्रीय संगीत वाद्य और लाइट म्यूजिक वाद्य में प्रथम पुरस्कार जीते।

मध्य रेल अंतर-रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता-नाटक-2025 की मेजबानी करेगा।

अंतर-मंडलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता-2025 का उद्घाटन मध्य रेल के अपर

मुख्यालय की टीम ने सर्वश्रेष्ठ नाटक 'विसर्जन' के लिए प्रथम पुरस्कार जीता, जबकि मुंबई मंडल ने मराठी नाटक 'नाना नव्यानाव बाद' और हिंदी नाटक 'आधे अधूरे' दोनों के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किए।

परेल वर्कशॉप के कलाकार ने लाइट म्यूजिक गायन में प्रथम पुरस्कार जीता।

आईडीसीसी-2025 के विजेता विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने वाली अंतर-रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में मध्य रेल का प्रतिनिधित्व करेंगे।

महाप्रबंधक प्रतीक गोस्वामी ने दिनांक 17 दिसंबर को किया। उद्घाटन समारोह में सीआरसीए के अध्यक्ष और प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक अरविंद मलखेड़े और सीआरसीए के उपाध्यक्ष और मुख्य कार्मिक अधिकारी (आईआर) अनुराग मेश्राम उपस्थित थे।

पहले दिन एकांकी नाटक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विभिन्न मंडलों और कारखाने की टीमों द्वारा कुल 11 नाटकों का प्रदर्शन किया गया।

दूसरे दिन संगीत प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिभागियों ने विभिन्न श्रेणियों में अपनी भव्य संगीत प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

तीसरे और अंतिम दिन, शास्त्रीय एकल नृत्य और लोक नृत्य समूह प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिससे कार्यक्रम में रंग और सांस्कृतिक विविधता का समावेश हुआ।

मध्य रेल के विभिन्न मंडलों और कारखानों से लगभग 250 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया, जिससे यह कार्यक्रम एक बड़ी सफलता साबित हुआ। यह आयोजन रेलवे कर्मचारियों के बीच सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और कलात्मक प्रतिभाओं को पोषित करने के प्रति सीआरसीए की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रधान विभागाध्यक्ष हिरेश मीना, मंडल रेल प्रबंधक, मुंबई मंडल, मुख्यालय और मंडलों के अधिकारी और कर्मचारी, अन्य मंडलों के टीम प्रबंधक अपने-अपने टीम सदस्यों और कलाकारों के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में उपस्थित रहे।

बीएमसी चुनाव को लेकर कांग्रेस का बड़ा ऐलान, प्रभारी रमेश चेन्नितला बोले- 'अकेले लड़ेंगे और जल्द ही...'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी रमेश चेन्नितला ने स्पष्ट किया है कि कांग्रेस आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव अकेले लड़ेगी. उन्होंने कहा कि पार्टी चुनाव की तैयारियों में जुटी हुई है और जल्द ही अपना घोषणापत्र (मैनिफेस्टो) और बीएमसी में हुए कथित घोटालों को लेकर एक चार्जशीट भी जारी करेगी.

चेन्नितला ने कहा कि स्थानीय निकाय के ये चुनाव जमीनी स्तर पर होते हैं और जनता से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस पूरी मजबूती से उतरेगी. उन्होंने सवाल उठाया कि मुंबई का अपेक्षित विकास क्यों नहीं हुआ और इसके लिए कौन जिम्मेदार है. कांग्रेस चुनाव में भ्रष्टाचार और प्रदूषण जैसे अहम मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी. उन्होंने कहा कि लोगों को पता है कि मुंबई में क्या हुआ और क्या नहीं हुआ.

वंचित बहुजन आघाड़ी से गठबंधन पर क्या बोले चेन्नितला?

कांग्रेस नेता ने ये भी कहा कि ये चुनाव

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के चलते हो रहे हैं. वंचित बहुजन आघाड़ी से गठबंधन पर चेन्नितला ने बताया, '' उनकी वंचित बहुजन आघाड़ी के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर से फोन पर बातचीत हुई है. इस बातचीत के बाद कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल उनसे मिलने जाएगा.''

उद्धव ठाकरे के लिए कांग्रेस बनी मुसीबत!

उधर, शिवसेना (यूबीटी) और बीएमसी का किला बचाने के लिए उद्धव ठाकरे ने पुराने सभी विवाद को नजरअंदाज कर MNS प्रमुख राज ठाकरे के साथ हाथ मिलाया है लेकिन उनके लिए सबसे बड़ी मुसीबत कांग्रेस बनकर उभरी है. बीएमसी चुनाव में कांग्रेस की एकला चलो की रणनीति महाविकास अघाड़ी के लिए एक तरह से झटका ही है. उद्धव ठाकरे की पार्टी इस चुनाव में सत्ता में बैठी महायुति के घटक दलों का सामना तो करेगी ही, साथ में कांग्रेस से भी अब मुकाबला करना होगा.

पिछले महीने नवंबर में शिवसेना (यूबीटी) प्रवक्ता आनंद दुबे ने बीएमसी चुनाव में कांग्रेस की अकेले लड़ने की मंशा पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी. उन्होंने कहा था कि कांग्रेस बड़ी और पुरानी पार्टी है. अगर वे अकेले चुनाव लड़ना चाहती है, तो शुभकामनाएं.

कब हैं बीएमसी के चुनाव?

महाराष्ट्र में सोमवार (15 दिसंबर) को मुंबई सहित 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव घोषित किए गए हैं. आर्थिक रूप से समृद्ध मुंबई सहित 29 नगर निकायों के लिए चुनाव 15 जनवरी को होंगे जबकि वोटों की गिनती 16 जनवरी को होगी.

'हिंदुओं के हितों की रक्षा...', बांग्लादेश हिंसा पर प्रियंका चतुर्वेदी ने सरकार से पूछे सवाल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बांग्लादेश में उस्मान हादी की मौत के बाद भड़की हिंसा ने एक बार फिर वहां रह रहे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है. इस हिंसा में 18 दिसंबर को एक हिंदू युवक दीपु चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई और बाद में उसके शव को आग के हवाले कर दिया गया. इस दिल दहला देने वाली घटना पर राज्यसभा सांसद और शिवसेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने गहरी चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से सीधे सवाल पूछे हैं।

प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बांग्लादेश में हो रही घटनाओं का जिक्र करते हुए लिखा, 'एक हिंदू व्यक्ति, दीपु चंद्र दास की भीड़ द्वारा हत्या कर दी गई और उसके शव को जला दिया गया. भारतीय दूतावास पर हमला हुआ, जिसमें 4 लोग घायल हुए. अल्पसंख्यक हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जाना यह दर्शाता है कि बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामवादियों का पूर्ण कब्ज़ा हो चुका है।'

विदेश मंत्रालय पर उठाए सवाल

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि इस मामले को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाना चाहिए. उन्होंने सवाल किया, 'भारत सरकार कट्टरपंथी बन चुके इस देश में हिंदुओं के हितों की रक्षा के लिए क्या कर रही है? क्या विदेश मंत्रालय ने कम से कम निंदा का कोई बयान भी जारी किया है?' उन्होंने कहा, 'भारत के पूर्व और पश्चिम में दो अत्यंत कट्टरपंथी देशों का होना शुभ संकेत नहीं है एक राष्ट्र के रूप में हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा कैसे कर रहे हैं?'

हिंदू युवक की हत्या के मामले में 7 गिरफ्तार

बता दें हिंदू युवक की हत्या के मामले में अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. इस पूरे मामले पर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने जानकारी दी है. सरकार का दावा है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, लेकिन हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं।

हिजाब विवाद पर बोलीं सुप्रिया सुले

'महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की सुरक्षा हर नागरिक...'

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के वायरल वीडियो में एक महिला का हिजाब हटाने की घटना को लेकर एनसीपी (सपा) सांसद सुप्रिया सुले ने प्रेस कॉफ्रेंस कर महिला के सम्मान को लेकर अपनी बात रखी. मीडिया से बातचीत के दौरान सांसद ने कहा कि हर महिला चाहे वह हिजाब पहनती हो या किसी अन्य तरीके से सिर ढकती हो. वह किसी न किसी परिवार की परंपराओं और मूल्यों की प्रतिनिधि होती है।

सुप्रिया सुले ने स्पष्ट किया कि महिला किस प्रकार पल्लू या हिजाब पहनती है. यह उसके जन्म या विवाह के परिवार की परंपराओं और रीति-रिवाजों पर निर्भर करता है. उन्होंने कहा कि किसी महिला के व्यक्तिगत निर्णयों और पहनावे में बाहरी हस्तक्षेप करना गलत है और यह समाज में असंवेदनशीलता और भेदभाव को बढ़ावा देता है। सांसद सुप्रिया सुले ने आगे कहा कि महिलाओं के प्रति सम्मान और उनके निर्णयों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है. किसी भी महिला के धार्मिक या पारंपरिक प्रतीक को जबरन हटाने की कोशिश न केवल उसकी गरिमा का हनन है बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ भी है. सुप्रिया सुले ने सभी राजनीतिक दलों और समाज के हर वर्ग से अपील की है कि वे महिलाओं के अधिकारों और उनका व्यक्तिगत सम्मान करें।

पश्चिम रेलवे

निर्माण कार्य

डिप्टी चीफ इंजीनियर (कंस्ट्रक्शन) II, पश्चिमी रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा - 390 004, ई-टेंडर नंबरः DYCE-C-II-DB-SMLA-09 आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नामः** पश्चिम रेलवे के वडोदरा डिवीजन में मियागाम-डभोई-सामलाया GC प्रोजेक्ट के संबंध में, डभोई (छोड़कर) से वाघोडिया (सहित) रेलवे स्टेशनों के बीच किमी 33.04 से किमी 54.00 (20.96 किमी) तक 25 T लोडिंग स्टैंडर्ड के लिए मौजूदा नैरो गेज ट्रैक को प्रस्तावित ब्रॉड गेज ट्रैक में बदलने के संबंध में फॉर्मेशन, छोटे/बड़े पुल, RUBs/सबवे, स्टेशन भवन, स्टाफ क्वार्टर, प्लेटफॉर्म, यात्री सुविधाएं, गिट्टी की आपूर्ति और बिछाना, ट्रैक लिंकिंग, P वे कार्य और अन्य संबंधित कार्यों सहित शेष सिविल इंजीनियरिंग कार्यों का निर्माण। **अनुमानित कार्य लागतः** 2399106871.11 **ईएमडीः** 10000000.00 **बोली खोलने की तारीखः** 07.01.2026 से 21.01.2026 तक 15:00 बजे तक। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

0908

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: x.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008.

कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर माध्यमों से विज्ञापन का प्रदर्शन।

नीलामी कैटलॉग संख्या	नीलामी शुरू (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-45	06-01-2026, 14:00:00

क्रम संख्या	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की अंतिम तिथि और समय
1	MSS-BCT-MMCT-MedStn-83-25-1 (Misc-Static-Services - Medical facilities at station)	मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर 5 साल की अवधि के लिए इमरजेंसी मेडिकल रूम के ज़रिए चौबीसों घंटे मेडिकल सुविधाएँ उपलब्ध कराना।	1826	06-01-2026, 14:30:00

नीलामी कैटलॉग संख्या	नीलामी शुरू (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-63	06-01-2026, 15:00:00

क्रम संख्या	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की अंतिम तिथि और समय
1	ADVT-BCT-MMCT-OH-459-25-1 (Advertising - Out of Home)	मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर 05 साल की अवधि के लिए 28 ग्लो साइन यूनिपोल लगाकर विज्ञापन दिखाने के बल्क अधिकार।	1826	06-01-2026, 15:30:00
2	ADVT-BCT-MRU-OSN-358-24-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	माटुंगा रोड (MRU) स्टेशन पर 3 साल की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार।	1096	06-01-2026, 15:40:00
3	ADVT-BCT-GMN-OSN-361-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	गोरेगांव (GMN) स्टेशन पर 3 साल की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार।	1096	06-01-2026, 15:50:00
4	ADVT-BCT-JOS-OSN-449-25-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	जोगेश्वरी (JOS) स्टेशन पर प्लेटफॉर्म पर तीन साल की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार।	1096	06-01-2026, 16:00:00

संपर्क विवरणः- लैंडलाइन नंबरः 022-67644212, ईमेल आईडीः acmadvtgbct@gmail.com

नोटः इच्छुक बोली लगाने वालों से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट के अनुसार विवरण ऊपर बताए गए कैटलॉग में उपलब्ध है।

0911

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: x.com/WesternRly

विज्ञान और इनोवेशन के ज़रिए मानव कल्याण का संदेश देना - डॉ. माशेलकर का काम प्रेरणादायक - उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल

मुंबई में डॉ. रघुनाथ माशेलकर की किताब 'मोर फ्रॉम लेस फॉर मोर' लॉन्च हुई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल ने कहा कि पद्म विभूषण डॉ. रघुनाथ अनंत माशेलकर का काम, जिन्होंने विज्ञान, शिक्षा और इनोवेशन के ज़रिए समाज में असमानताओं को खत्म करके मानव कल्याण का वैश्विक संदेश दिया है, युवा पीढ़ी के लिए बहुत प्रेरणादायक है।

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस के मौके पर, इटरनल कॉर्पोरेट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड और इंस्पायरिंग इंडिया ने मिलकर मुंबई के कोलाबा स्थित ताज महल पैलेस में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रघुनाथ माशेलकर और सुशील बोर्डे द्वारा 'मोर फ्रॉम लेस फॉर मोरः इनोवेशन की पवित्र ग्रेल' शीर्षक से एक सेमिनार का आयोजन किया। इस किताब का विमोचन मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल और मौजूद गणमान्य व्यक्तियों ने किया।

इस मौके पर इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी के एमेरिटस प्रोफेसर पद्म विभूषण प्रो. डॉ. एम. एम. शर्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश डी. अंबानी, बजाज ऑटो लिमिटेड के चेयरमैन नीरज बजाज, गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप के चेयरमैन और एमडी नादिर गोदरेज, मैरिको लिमिटेड के चेयरमैन हर्ष मारीवाला, काइनेटिक ग्रीन एनर्जी एंड पावर सॉल्यूशंस की फाउंडर और सीईओ सुलाज्जा मोटवानी, इटरनल कॉर्पोरेट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन और सीईओ कृपाशंकर तिवारी और एमडी और सीईओ आलोक तिवारी के साथ-साथ उद्योग, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों से कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई शिक्षा नीति की अवधारणा पेश किए जाने के बाद, डॉ. माशेलकर ने इसे प्रभावी ढंग से लागू करने में बहुमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि उच्च और तकनीकी शिक्षा क्षेत्र में कई बदलावों, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में राज्य की नीति के संबंध में दिए गए मार्गदर्शन के कारण आज महाराष्ट्र नई शिक्षा नीति को लागू करने में देश में सबसे आगे है।

पाटिल ने कहा कि डॉ. माशेलकर की 54 डॉक्टरेट डिग्रियां देश में एक अभूतपूर्व रिकॉर्ड हैं और एक सामान्य पृष्ठभूमि से विश्व स्तरीय वैज्ञानिक नेतृत्व विकसित करने की उनकी जीवन यात्रा युवाओं के लिए एक मार्गदर्शक है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि अगर ग्लोबल लेवल पर बेस्ट साइंटिस्ट के तौर पर पहचाने जाने वाले डॉ. माशेलकर की यह प्रेरणादायक यात्रा जारी रहती है, तो भविष्य में उन्हें नोबेल पुरस्कार और भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस के मौके पर बोलते हुए मंत्री पाटिल ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए एकता, समावेश और सामूहिक जिम्मेदारी बहुत ज़रूरी हैं। विज्ञान, शिक्षा और इनोवेशन गरीबी, असमानता और सामाजिक चुनौतियों से निपटने में प्रभावी हैं। 'असमानता के बावजूद समान अवसर पैदा करना' यह डॉ. माशेलकर की सोच का मूल है और यह युवाओं, स्टार्टअप्स, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं के लिए प्रेरणा होगा, उन्होंने समझाया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में जल्द ही जियो यूनिवर्सिटी शुरू की जाएगी और इसके ज़रिए नए और आधुनिक कोर्स शुरू किए जाएंगे ताकि युवा ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बना सकें।

मंत्री पाटिल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी और राष्ट्रीय सेवा और एकता की भावना से सभी गणमान्य व्यक्तियों के योगदान की विशेष रूप से सराहना की।

'द प्राइड ऑफ इंडिया डॉ. रघुनाथ माशेलकर' कॉफी टेबल बुक और 'दिव्य वैय्यागिन' किताब का विमोचन किया गया। साथ ही, डॉ. रघुनाथ माशेलकर ने अपनी जीवन यात्रा सुनाई और वहां मौजूद सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

घर पर अकेली थी 18 साल की लड़की, शख्स ने गला काट कर दी हत्या, इलाके में फैली सनसनी

औरंगाबाद। महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के गंगापुर तालुका के मुर्मी में एक अनजान आदमी ने 18 साल की लड़की की हत्या कर दी. यह चौंकाने वाली घटना शुक्रवार दोपहर सामने आई. मरने वाली लड़की का नाम वैष्णवी संतोष नील है. इस घटना से इलाके में काफी सनसनी फैल गई है. पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, वैष्णवी वालुज के साईनाथ कॉलेज में 12वीं क्लास में पढ़ती थी.

बिस्तर के पास खून से लथपथ मिली वैष्णवी

मिली जानकारी के मुताबिक, वह शुक्रवार दोपहर 12:00 बजे घर आई थी. वैष्णवी के पिता संतोष यादवराव नील दहेगांव-बिडकिन रोड पर पत्तों की दुकान चलाने गए थे, जबकि उसकी मां मथुरा खेतों में काम करने गई थी. वैष्णवी का भाई प्रीतेश सुबह स्कूल गया था. इस बीच कॉलेज से आई वैष्णवी घर पर अकेली थी. दोपहर में संतोष नील ने अपनी पत्नी मथुरा को फोन करके बताया कि वैष्णवी को खून की उल्टी हो रही है. फिर मथुरा और दूसरे रिश्तेदार घर पहुंचे. तब उन्होंने वैष्णवी को बिस्तर के पास खून से लथपथ गला कटा हुआ पाया. उसे तुरंत बाहर निकाला गया और वह मरी हुई मिली. घटना की जानकारी मिलने के बाद वालुज पुलिस मौके पर पहुंची. पंचनामा करने के बाद वैष्णवी की बॉडी को हॉस्पिटल भेज दिया गया. इस बारे में वैष्णवी की मां की शिकायत पर एक अनजान व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है.

पुलिस स्टेशन में घटना का केस दर्ज

घटना की गंभीरता को देखते हुए, वालुज पुलिस ने मौके पर एक डॉग और फोरेंसिक टीम को बुलाया था. पुलिस ने मौके पर

मौजूद गवाहों से जानकारी ली, और जांच कर रही है. सीनियर पुलिस ऑफिसर पहुंचे, फोरेंसिक टीम बुलाई गई. घटना की गंभीरता को समझते हुए, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस पंकज अतुलकर, वालुज पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर शिवचरण पंधारे एक टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे. वालुज पुलिस स्टेशन में घटना का केस दर्ज कर लिया गया है।

महाभारत के युधिष्ठिर साइबर ठगी के हुए शिकार, सस्ते ड्राई फ्रूट्स का विज्ञापन पड़ा महंगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

टीवी धारावाहिक महाभारत में युधिष्ठिर की भूमिका निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाले अभिनेता गजेंद्र सिंह चौहान साइबर ठगी का शिकार हो गए. हालांकि मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन की साइबर सेल की त्वरित कार्रवाई से उनके खाते से निकाली गई पूरी 98 हजार रुपये की राशि सुरक्षित कर ली गई.

69 वर्षीय अभिनेता गजेंद्र सिंह चौहान अंधेरी पश्चिम के लोखंडवाला ओशिवारा इलाके में रहते हैं. 10 दिसंबर को फेसबुक पर उन्हें डी-मार्ट के नाम से ड्राई फ्रूट पर भारी छूट का एक विज्ञापन दिखाई दिया. विज्ञापन में दिए गए लिंक पर क्लिक कर जैसे ही उन्होंने ऑर्डर प्रक्रिया पूरी की, उनके मोबाइल पर एक ओटीपी आया. कुछ ही पलों बाद उन्हें संदेश मिला कि उनके एचडीएफसी बैंक खाते से 98,000 रुपये डेबिट हो चुके हैं.

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर सुलझाया मामला

जानकारी के अनुसार, ठगी का अंदेशा होते ही अभिनेता ने बिना देर किए पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय चव्हाण और पुलिस निरीक्षक आनंद पगारे के मार्गदर्शन में ओशिवारा पुलिस की साइबर टीम ने तुरंत जांच शुरू की. साइबर उप-निरीक्षक शरद देवरे, सहायक पुलिस निरीक्षक अशोक कोंडे और कांस्टेबल विक्रम सरनोबत ने 1930 हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायत और बैंक स्टेटमेंट की जांच की.

अभिनेता के खाते में वापस कर दी गई पूरी राशि

जांच में सामने आया कि ठगी की रकम रेजरपे के माध्यम से क्रोमा से जुड़े एक खाते में ट्रांसफर की गई थी. इसके बाद पुलिस ने एचडीएफसी बैंक, रेजरपे और क्रोमा के नोडल अधिकारियों से ईमेल के जरिए समन्वय किया. पुलिस की तेज कार्रवाई के चलते ट्रांजैक्शन को समय रहते होल्ड कर लिया गया और पूरी राशि अभिनेता के खाते में वापस कर दी गई.

अभिनेता ने पुलिस का व्यक्त किया आभार

ओशिवारा पुलिस की इस तत्परता से राहत महसूस करते हुए अभिनेता गजेंद्र सिंह चौहान ने मुंबई पुलिस और ओशिवारा पुलिस के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस का दावा- धर्म की राजनीति को नकारेंगे मुंबई के मतदाता, भाजपा पर गंभीर आरोप भी लगाए

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में होने वाले नगर निगम चुनावों से पहले राजनीतिक पार्टियों के बीच हलचल तेज है। इसी बीच मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष और लोकसभा सांसद वर्षा गायकवाड़ ने शनिवार को भाजपा पर धर्म की राजनीति करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि मुंबई के लोग भाजपा की धार्मिक राजनीति और दोहरे मापदंड को आने वाले नगर निगम चुनाव में खारिज कर देंगे। उन्होंने कहा कि मतदाता धर्म के नाम पर नहीं, बल्कि शहर से जुड़े असली मुद्दों पर वोट देंगे।

बता दें कि मुंबई समेत राज्य की 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे और 16 जनवरी को मतगणना होगी।

वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि जब भी चुनाव आते हैं, भाजपा धार्मिक राजनीति शुरू कर देती है। लेकिन मुंबई के लोग समझदार हैं और इस बार भी बहकावे में नहीं आएंगे। उन्होंने भाजपा पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के मुंबई अध्यक्ष अमीत साटम कहते हैं कि एनसीपी नेता नवाब मलिक स्वीकार्य नहीं हैं, लेकिन दूसरी ओर अजित पवार गुट के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे भाजपा नेताओं से बैठक करते हैं।

भाजपा की कथनी और करनी में फर्क- कांग्रेस नेता

इस दौरान वर्षा गायकवाड़ ने आगे कहा कि नवाब मलिक की विधायक बेटी सना मलिक ने भाजपा सरकार के पक्ष में वोट दिया, जो भाजपा की कथनी और करनी में फर्क दिखाता है। उन्होंने कहा कि सत्ता में बने रहने के लिए भाजपा चुनाव के समय धार्मिक मुद्दे उठाती है, लेकिन मुंबई के लोग इस सच्चाई को समझते हैं। उन्होंने कहा कि इस बार लोग सड़कें, ट्रैफिक जाम, साफ पानी, प्रदूषण और हवा की गुणवत्ता जैसे मुद्दों पर वोट करेंगे।

अपनी ताकत पर लड़ेगी कांग्रेस- रमेश चेन्नितला

इसके साथ ही दूसरी ओर कांग्रेस के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रभारी रमेश चेन्नितला ने कहा कि कांग्रेस मुंबई नगर निगम चुनाव अपनी ताकत पर अकेले लड़ेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी आम मुंबईकरों की समस्याओं जैसे प्रदूषण, स्वास्थ्य सेवाएं और भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाएगी। चेन्नितला ने कहा कि उन्होंने महा विकास आघाड़ी के सहयोगी दलों से बात की है, लेकिन मुंबई कांग्रेस नेतृत्व ने तय किया है कि स्थानीय चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़े जाएंगे, ताकि मुंबई की धर्मनिरपेक्ष पहचान को बचाया जा सके।

गठबंधन को लेकर बातचीत

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और सांसद संजय राउत ने गठबंधन को लेकर चेन्नितला से बात की थी, लेकिन उन्हें कांग्रेस का रुख बता दिया गया। सूत्रों ने यह भी कहा कि मुंबई कांग्रेस नेतृत्व नाराज है, क्योंकि पिछले साल लोकसभा और विधानसभा चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस से बिना सलाह लिए अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए थे। गौरतलब है कि महाविकास आघाड़ी में कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी (एसपी) और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) शामिल हैं।

यह घटना किसी के साथ भी हो, हमें इसकी निंदा करनी चाहिए, बांग्लादेश में हिंदू युवक की लिंचिंग पर भड़के अबू आज़मी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आज़मी ने शनिवार को बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि अगर कोई किसी के साथ कुछ गलत करता है, तो उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। हालांकि, आज़मी ने भारत में अल्पसंख्यकों के लिए न्याय की मांग करते हुए आरोप लगाया कि जिन मुसलमानों ने आजादी के लिए लड़ाई लड़ी, उन्हें अब देशद्रोही कहा जा रहा है।

पत्रकारों से बात करते हुए अबू आज़मी ने कहा कि चाहे हिंदू हो या मुसलमान, अगर कोई किसी के साथ कुछ गलत करता है, तो उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए... चाहे कहीं भी हो, जिसके साथ भी हो, हमें इसकी निंदा करनी चाहिए, लेकिन क्या मुझे पहले अपने देश में हो रही घटना की निंदा नहीं करनी चाहिए?

आज़मी ने कहा कि मेरे देश में, जिनके लिए मुसलमानों ने आजादी के लिए लड़ाई लड़ी और जिन्होंने कभी देश के साथ विश्वासघात नहीं किया, उन्हें अब देशद्रोही कहा जा रहा है... यह किस

तरह का न्याय है? इसी बीच, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बांग्लादेश में कथित ईशनिंदा के आरोप में दीपू चंद्र दास नामक एक हिंदू व्यक्ति की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने की कड़ी निंदा की।" पर एक पोस्ट में थरूर ने लिखा, 'बांग्लादेश में व्याप्त भीड़तंत्र के बीच एक असहनीय रूप से दुखद घटना। इस निर्दयी हिंदू व्यक्ति की निर्मम अपराधियों के हाथों हुई हत्या पर शोक व्यक्त करते हुए, मैं बांग्लादेश सरकार द्वारा जारी निंदा की सराहना करता हूं।'

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भी इस घटना की निंदा की। अंतरिम सरकार ने एक बयान में कहा, 'हम मयमनसिंह में एक हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या की कड़ी निंदा करते हैं। नए बांग्लादेश में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। इस जघन्य अपराध के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।' मयमनसिंह में हुई इस घटना की निंदा ऐसे समय में हुई है जब मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को देश में व्याप्त व्यापक अशांति पर अपनी पहली विस्तृत प्रतिक्रिया जारी करते हुए नागरिकों से भीड़ हिंसा के कृत्यों का विरोध करने का आग्रह किया।

अंतरिम सरकार और अल्पसंख्यक अधिकार समूहों दोनों की अपीलें इंकलाब मंचो नेता शरीफ उस्मान बिन हादी की मृत्यु के बाद बढ़ते अशांति के माहौल में आई हैं। इसी बीच, अबू आज़मी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भी कड़ी आलोचना की, जिन पर एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान एक महिला का हिजाब हटाने की कोशिश करने का आरोप लगा था और जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। अबू आज़मी ने आगे कहा, 'उन्होंने जो किया वह सरासर गलत है। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। मुख्यमंत्री जैसे पद पर बैठे व्यक्ति का ऐसा करना; उनके खिलाफ मामला दर्ज होना चाहिए।'

नासिक रोड में 50 लाख की धोखाधड़ी, होटल बिजनेस में मुनाफे का लालच देकर परिवार को ठगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के नासिक रोड इलाके में होटल बिजनेस में गारंटीड और भारी मुनाफे का वादा करके एक युवक और उसके परिवार वालों से 50 लाख रुपये ऐंठने का गंभीर मामला सामने आया है. इस मामले में उपनगर पुलिस स्टेशन में एक आदमी, उसकी पत्नी और मां के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है.

होटल बिजनेस में अनुभव का झांसा

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता निखिल कैलास गुजराती (निवासी शिखरेवाड़ी, नासिक रोड) की मुलाकात संदिग्ध आरोपी वेदांशु रवींद्र पाटिल से अप्रैल 2021 में हुई थी. इस जान-पहचान का फायदा उठाकर आरोपी ने खुद को होटल बिजनेस का अनुभवी और सफल बिजनेसमैन बताया. आरोपी ने शिकायतकर्ता को महिरावनी इलाके में एक होटल शुरू करने का प्रस्ताव दिया और पूरा प्रोजेक्ट खुद संभालने और भारी मुनाफा कमाने का वादा किया. आरोपी की बातों पर विश्वास करके शिकायतकर्ता और उसके परिवार ने कंसल्टेंसी, कंस्ट्रक्शन, इंटीरियर और दूसरे खर्चों के लिए भारी फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट किया.

'अर्बन एयर फूड कोर्ट' घाटे में

आरोपी के कहने पर, 'अर्बन एयर फूड कोर्ट' नाम से एक होटल शुरू किया गया था. लेकिन, कुछ ही महीनों में बिज़नेस घाटे में चला गया और आखिर में बंद हो गया. इससे शिकायत करने वाले और उसके परिवार को बहुत बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ.

नए प्रोजेक्ट का लालच, फिर से पैसे की मांग

होटल बंद होने के बाद भी, आरोपी ने घाटे की भरपाई का वादा करते हुए एक नए प्रोजेक्ट का प्रस्ताव रखा. आरोपी ने फिर से बड़ी रकम की मांग की, बंद होटल की जगह पर एक ओपन ड्राइव-इन थिएटर शुरू करने और भारी मुनाफ़ा कमाने का वादा किया. इस लालच में आकर, शिकायत करने वाले ने अलग-अलग तारीखों पर चेक के ज़रिए आरोपी वेदांशु पाटिल, उसकी पत्नी तिलोत्तमा पाटिल और माँ करिश्मा पाटिल के अकाउंट में कुल 50 लाख रुपये जमा कर दिए.

आरोपी सिर्फ़ टालमटोल करता रहा

हालांकि, प्रस्तावित ड्राइव-इन थिएटर प्रोजेक्ट के बारे में कोई पक्के डॉक्यूमेंट नहीं दिए गए और न ही असल में कोई काम शुरू हुआ. जब शिकायत करने वाले को एहसास हुआ कि आरोपी बार-बार पूछने के बाद भी मामले को टाल रहा है तो उसे एहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है.

उपनगर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज

आखिरकार, शिकायत करने वाला निखिल गुजराती उपनगर पुलिस स्टेशन गया और शिकायत दर्ज कराई. इस शिकायत के आधार पर, वेदांशु रवींद्र पाटिल, तिलोत्तमा पाटिल और करिश्मा पाटिल के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है, और उपनगर पुलिस आगे की जांच कर रही है।

इंजीनियरिंग की 20 साल के स्टूडेंट ने लगाई फांसी, फोन नहीं उठाया तो एडमिन वालों खटखटाया गेट

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के सोलापुर शहर के एक जाने-माने इंजीनियरिंग कॉलेज के बॉयज़ हॉस्टल में गुरुवार (18) रात को एक 20 साल के स्टूडेंट के रस्सी से फांसी लगाकर सुसाइड करने की चौंकाने वाली घटना सामने आई. मरने वाले स्टूडेंट की पहचान विद्याधर प्रकाश शिंदे (उम्र 20, कलंब, धाराशिव जिले का रहने वाला) के तौर पर हुई है और इस घटना से कॉलेज इलाके और उसके परिवार वालों में दुख फैल गया है. विद्याधर कॉलेज में ऊँए ब्रांच के सेकंड ईयर में पढ़ रहा था और कॉलेज के बॉयज़ हॉस्टल में रहता था.

घटना का पता उसके पिता के फोन से चला

विद्याधर हर रात अपने पिता को फोन करके टच में रहता था, लेकिन, गुरुवार रात को जब उसके पिता को तय समय पर फोन नहीं आया तो वह परेशान हो गए और उन्होंने करीब 8:30 बजे सीधे हॉस्टल एडमिनिस्ट्रेशन से कॉन्टैक्ट किया. इसके बाद हॉस्टल स्टाफ उसके कमरे में गया और दरवाजा खटखटाया.

दरवाजा नहीं खुला तो आगे जांच में पता चला कि उसने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया है.

मिली जानकारी के मुताबिक, विद्याधर जिस कमरे में रह रहा था, वहां के दूसरे स्टूडेंट अमावस्या की छुट्टी की वजह से गांव गए हुए थे. इसलिए वह उस दिन कमरे में अकेला था. उसने दोपहर करीब 2:30 बजे अपने पिता से फोन पर बात की थी. उसके बाद जब रात में उनसे कॉन्टैक्ट नहीं हुआ तो यह घटना सामने आई.

पुलिस और हॉस्पिटल की कार्रवाई

घटना की जानकारी मिलते ही सोलापुर तालुका पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची. आगे की कार्रवाई करने के बाद विद्याधर को सोलापुर के सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया. हालांकि, मेडिकल ऑफिसर्स ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. इस घटना के पीछे का सही कारण अभी साफ नहीं है. सोलापुर तालुका पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है और जरूरी कानूनी कार्रवाई चल रही है. मृतक विद्याधर शिंदे के परिवार में उसके माता-पिता और एक भाई हैं. इस होनहार नौजवान की अचानक मौत से उसके परिवार, दोस्तों और कॉलेज एरिया में दुख है।

सम्पादकीय

वीआईपी दर्शन पर सुप्रिम आदेश, निर्णय केंद्र करे

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मंदिरों में 'वीआईपी दर्शन' सुविधा को चुनौती देने वाली याचिका भले ही खारिज कर दी, किंतु इस याचिका पर कोर्ट द्वारा कही गई बातों की गूंज दूर तक जाएगी। यह गूंज केंद्र सरकार को विवश करेगी कि वह मंदिरों में हाने वाले वीवीआईपी दर्शन पर रोक लगाने वाला निर्णय लें । कोर्ट की ये गूंज आने वाले समय में मंदिरों के वीवीआईपी दर्शन कर रोक लगाने का रास्ता प्रशस्त करेगी।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यह एक नीतिगत मामला है। इस पर केंद्र सरकार को विचार करना होगा। बेंच ने यह भी कहा कि वीआईपी के लिए ऐसा विशेष व्यवहार मनमाना है। यह याचिका मंदिरों की तरफ से वसूले जाने वाले वीआईपी दर्शन शुल्क को समाप्त करने की मांग कर रही थी। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि बेंच इस मुद्दे से सहमत है, लेकिन अनुच्छेद 32 के तहत निर्देश जारी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, 'हालांकि हमारी राय है कि मंदिरों में प्रवेश के संबंध में कोई विशेष व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन हमें नहीं लगता कि यह अनुच्छेद 32 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने का उपयुक्त मामला है।' यह आदेश में दर्ज किया गया लेकिन मामला सरकार के विचार के लिए छोड़ दिया गया।ण्ड खन्ना ने कहा कि यह मामला कानून-व्यवस्था का प्रतीत होता है और याचिका इस पहलू पर होनी चाहिए थी। बेंच ने कहा, 'हम स्पष्ट करते हैं कि याचिका खारिज होने से संबंधित अधिकारियों को जरूरत के हिसाब से कार्रवाई करने से नहीं रोका जाएगा।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, 'आज 12 ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ इस प्रैक्टिस को फॉलो करते हैं। ये मनमाना और भेदभाव वाला है। यहां तक कि गृह मंत्रालय ने भी आंध्र प्रदेश से इसकी समीक्षा करने को कहा है। चूंकि, भारत में 60 प्रतिशत पर्यटन धार्मिक है, इसलिए ये भगदड़ की प्रमुख वजह भी है।' सुप्रीम कोर्ट में ये याचिका विजय किशोर गोस्वामी ने डाली थी। उन्होंने मंदिरों में अतिरिक्त शुल्क लेकर 'वीआईपी दर्शन' के चलन को आर्टिकल 14 के तहत समानता के अधिकार और आर्टिकल 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन बताया। उन्होंने दलील दी कि जो लोग इस तरह का शुल्क अदा करने में असमर्थ हैं, ये उनके खिलाफ भेदभाव है। याचिका में जोर देकर कहा गया था कि कई मंदिर 400 से 500 रुपये में लोगों के लिए विशेष दर्शन की व्यवस्था करते हैं। इससे आम श्रद्धालु और खासकर महिलाएं, स्पेशली एबल्ड लोग और सीनियर सिटिजंस को दर्शन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह मामला देश भर के मंदिरों में आम लोगों और वीआईपी के बीच भेदभाव के मुद्दे को उठाता है। वीआईपी दर्शन की सुविधा से आम लोगों को लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ता है, जबकि वीआईपी आसानी से दर्शन कर लेते हैं।

ये एक जगह नही है,श्रृद्धालु को इस समस्या से अधिकांश जगह रूबरू होना पड़ता है। जगह -जगह मंदिरों में इस समस्या का सामना होता है। लगभग 40 साल पहले हम कोलकत्ता गए। कालिका जी मंदिर में हम श्रृद्धालुओं की लाइन में लगे थे कि हमारे एक साथी ने देखा और हमें इशारा कर अपने पास बुला लिया। यहां पुजारी पांच रूपया प्रति व्यक्ति लेकर सीधे दर्शन करा रहे थे। अभी वेट द्वारिका जाना हुआ। हम परिवार के छह सदस्य थे। एक पंडित जी ने हमसे पांच सौ रूपये लिए।अलग लाइन से हमें आराम से दर्शन कराए। भीड़- भाड़ भी बची।वैसे दर्शन में दो से तीन घंटे लगते पांच सौ रूपये में आधा घंटा में दर्शन कर मंदिर से बाहर आ गए। करीब दस साल पहले हम गुजरात में अम्बा जी गए थे। दर्शन की लाइन में लगे थे कि कर्मचारियों ने यह कह कर हमके रोक दिया कि दर्शन का समय समाप्त हो गया, जबकि कुछ अन्य को लगातार प्रदेश दिया जा रहा। किसी तरह हम अन्यों वाली पंक्ति में शामिल हुए। तब दर्शन हुए। दर्शन भी बड़े आराम से हुए। काफी समय हम मंदिर में रूके , जबकि ऐसा पहले संभव नही था। इस तरह का भेदभाव हमें कई जगह देखने को मिला। उज्जैन में तो आप पंडित को पांच सौ के आसपास रूपये दीजिए। वह मंदिर के गर्भ गृह में ले जाकर पूजन अर्चन कराते हैं। जो ये रकम नही देते वे गर्भगृह के बाहर ही दूर से दर्शन कर तृप्त हो जाते हैं। ओंकारेश्वर में तो पंडित जी पूजा भी आराम से और श्रद्धालुओं की पंक्ति से अलग लेकर कराते हैं। मथुरा जी के बांके बिहारी मंदिर में सुपरिम आदेश से यह व्यवस्था रूकी है, अन्यथा लगभग सभी मंदिरों की हालत ऐसी ही है।

सुपरिम कोर्ट ने याचिका तो खारिज कर दी, किंतु इस वीआईपी दर्शन पर रोक वाली गेंद केंद्र सरकार के पाले में यह कह कर डाल दी । बेंच ने कहा कि बेंच इस मुद्दे से सहमत है, लेकिन अनुच्छेद 32 के तहत निर्देश जारी नहीं कर सकती। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यह एक नीतिगत मामला है। इस पर केंद्र सरकार को विचार करना होगा। बेंच ने यह भी कहा कि वीआईपी के लिए ऐसा विशेष व्यवहार मनमाना है।

सुपरिम कोर्ट का यह निर्देश अब केंद्र सरकार को विवश करेगा कि मंदिरों में आम आदमी के साथ हो रहे भेदभाव को रोके और बांके बिहारी मंदिर की तरह पैसा लेकर कराए जा रहे वीआईपी दर्शन की व्यवस्था खत्म करे। व्यवस्था अयोध्या जी के श्रीराम मंदिर जैसी हो, जहां श्रद्धालू बिना भेदभाव आराम से 25-30 मिनट में दर्शन कर बाहर आ सके।

डिजिटल संचार में भविष्य की भाषा, संस्कृत को माध्यम बनाने की कोशिश

एक समय जब संगणक के बढ़ते प्रभाव और 'कमांड लैंग्वेज' (समादेश-भाषा) अंग्रेजी होने के कारण इसे हिंदी के लिए व्यवधान माना जा रहा था, ठीक उसी समय 'फोर्ब्स पत्रिका' ने एक रपट में यह तथ्य स्थापित किया था कि संस्कृत कंप्यूटर के लिए सबसे उपयुक्त भाषा है। यह दुनिया की सबसे तर्कसंगत और व्याकरणीय दृष्टि से वैज्ञानिक भाषा है।

साथ ही, इसे हिंदी, मैथिली, उर्दू, ओड़िया, बांग्ला, मराठी, गुजराती, सिंधी, पंजाबी, बुंदेली, अवधी और बृज इत्यादि सभी आधुनिक एवं मूर्त भाषाओं तथा बोलियों की जननी भी माना जाता है। इधर, जैसे-जैसे दुनिया बहु-सांस्कृतिक पहचान और अंकीय यानी डिजिटल संचार से जुड़े ज्ञान को समझ रही है, संस्कृत उसी के समांतर भविष्य की भाषा के बेहतर विकल्प के रूप में उभर रही है।

संस्कृत की भाषाई सटीकता और तार्किकता के कारण कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसी प्रौद्योगिकी के नवीनतम क्षेत्रों में इसके प्रयोग की संभावनाएं बढ़ रही हैं। इसे कंप्यूटर की भाषा बनाने में नासा और मुंगेर स्थित योग विश्वविद्यालय अहम योगदान दे रहे हैं।

संस्कृत की व्याकरण प्रणाली को तीन हजार से भी अधिक वर्ष पहले महर्षि पाणिनि ने संहिताबद्ध किया था। वैज्ञानिक इसे भाषा विज्ञान का एक अद्वितीय उदाहरण मानते हैं। पाणिनि का व्याकरण संस्कृत भाषा के लिए रचित 'अष्टाध्यायी' नामक ग्रंथ पर आधारित है, जिसमें लगभग चार हजार सूत्र हैं। यह व्याकरण अत्यधिक वैज्ञानिक है। इसने संस्कृत को मानकीकृत किया।

पाणिनि की यह पद्धति दुनिया की पहली औपचारिक विधि मानी जाती है। इसे सहायक प्रतीकों (प्रत्यय) की प्रणाली ने कंप्यूटर प्रोग्रामिंग भाषाओं के विकास में बड़ी भूमिका निभाई। अब भारत, अमेरिका और जर्मनी सहित कई देशों के तकनीकी एवं भाषा वैज्ञानिक पाणिनि के संस्कृत सूत्रों से एक गणितीय सूत्र तैयार कर रहे हैं, संक्षिप्त सूत्र विकसित किए होंगे!

व्याकरण के ये सूत्र एकदम कंप्यूटर की भाषा 'कोबोल' और 'फोरट्रान' से मिलते-जुलते हैं। 'कोबोल' यानी 'कामन बिजनेस ओरिएंटेड लैंग्वेज'। यह एक अंग्रेजी जैसी 'प्रोग्रामिंग' भाषा है, जिसे व्यावसायिक उपयोग के लिए विकसित किया गया। 'फोरट्रान' यानी 'फार्मूला ट्रांसलेशन' है। यह

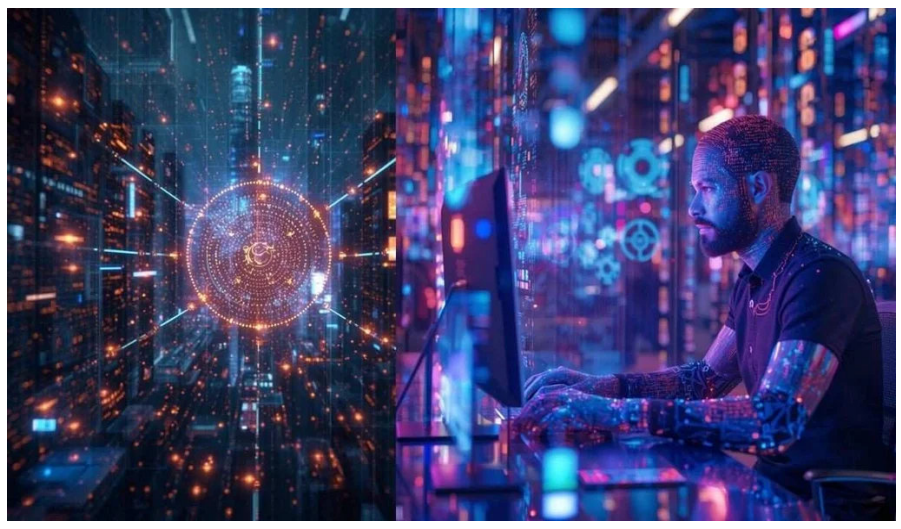

जो कंप्यूटर को सरलता से समझ में आ जाए।

यह परिवर्तनकारी शोध कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में चल रहा है। इसे विकसित कर लिए जाने के बाद पाणिनि के सूत्रों से कंप्यूटर को पहली प्राकृतिक भाषा मिल जाएगी, जिसका उपयोग नासा की प्रयोगशाला से लेकर दुनिया की अधिकांश प्रयोगशालाओं में होगा। फिर दुनिया कंप्यूटर की वर्तमान कृत्रिम भाषा से मुक्त हो जाएगी। पाणिनि के सूत्रों का अध्ययन कर दुनिया के वैज्ञानिक अचंभित हैं कि लगभग ढाई हजार वर्ष पहले पाणिनि ने कैसे इतने शुद्ध एवं पहली उच्च स्तरीय प्रोग्रामिंग भाषा है, जिसे जान बैकस और उनके सहयोगियों ने 1957 में आइबीएम में विकसित किया था।

इसका मुख्य लक्ष्य गणितीय सूत्रों को कंप्यूटर कोड में बदलना था, जो इसे वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग गणनाओं के लिए उपयुक्त बनाता है। अंग्रेजी में बड़ी संख्या में शब्दों का उच्चारण एवं अर्थ अस्पष्ट एवं भिन्न होते हैं। जैसे चाचा, मामा और मौसा के लिए अंग्रेजी में एक ही शब्द है- 'अंकल'। इसी तरह 'बैंक' शब्द धन के लेन-देन की संस्था से जुड़ा है, किंतु नदी के किनारे को भी 'बैंक' कहा जाता है। ऐसे शब्द भ्रम पैदा करते हैं।

वैज्ञानिक भाषा उस प्राकृतिक भाषा को मानते हैं, जिनमें भ्रम और दोहरे अर्थ नहीं होते। जिन भाषाओं में ऐसा होता है, उन्हें कृत्रिम भाषा माना गया है। पाणिनि के व्याकरण ने संस्कृत को पूर्ण, स्पष्ट, संक्षिप्त एवं सूत्रबद्ध किया है। अमेरिका, जर्मनी और भारत सहित कई देशों के वैज्ञानिक पाणिनि के संस्कृत सूत्रों से एक गणितीय सूत्र तैयार कर रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि जल्दी ही कंप्यूटर की प्राकृतिक भाषा मिल जाएगी और दुनिया कृत्रिम भाषा के भ्रमों से मुक्त हो जाएगी।

संस्कृत का वाक्य-विन्यास गणितीय रूप में इतना सुसंगत है कि इसे एक 'संगणक अनुकूल भाषा' माना जाने लगा है। इसकी सहायता से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स के क्षेत्र को और सार्थकता मिल सकती है। भारत में प्रौद्योगिकी शैक्षणिक संस्थान कंप्यूटिंग और एआइ अनुसंधान में संस्कृत को शामिल कर रहे हैं। इन अनुसंधानों के पूरा होने पर संस्कृत, प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रोजगार की भाषा बन जाएगी।

आज शिक्षा का स्वरूप रोजगार को ध्यान में रख कर विकसित किया जा रहा है। इसलिए विद्यालयों में वही भाषाएं पढ़ाने पर विचार किया जाता है, जिनसे विद्यार्थियों के काम-धंधे के उत्तम अवसर मिल सकें। संस्कृत कंप्यूटिंग की भाषा में उपयोगी साबित हो जाती है, तो डिजिटल भारत की भाषा संस्कृत हो ही जाएगी, भारतीय भाषाओं को भी डिजिटल भाषाएं बनने में देर नहीं लगेगी। संस्कृत ज्ञान, मूल्य और विज्ञान का सूत्र स्रोत मानी जाती रही है। पहले परमाणु विस्फोट से लेकर अब तक दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने संस्कृत के प्राचीन साहित्य को प्रेरणा स्रोत माना है। इसलिए कंप्यूटर की भाषा विकसित करने के लिए संस्कृत को माध्यम बनाया जा रहा है।

विज्ञान के नए शोध भारतीय एवं पश्चिमी विधियों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। भारत में जब सुपर कंप्यूटर नहीं था, तब अमेरिका से इसकी तकनीक की मांग की गई थी, लेकिन उसने 1987 में इस तकनीक को देने से साफ मना कर दिया था। देश के पहले सुपर कंप्यूटर 'परम' के निर्माता और सुपर कंप्यूटिंग की शुरुआत से जुड़े विजय पांडुरंग भटकर ने इसे एक चुनौती माना और इसके आविष्कार में लग गए।

उनके नेतृत्व में 'सेंटर फार डेवलपमेंट आफ एडवांस कंप्यूटिंग' (सी-डीएसी) द्वारा 1991 में विकसित कर लिया गया। इस सुपर कंप्यूटर और सी-डेक के आविष्कार को भारत की एक बड़ी उपलब्धि माना गया। इसी संस्था ने देश का पहला सुपर कंप्यूटर 'परम-8000' विकसित किया। इसके बाद 'परमसिद्धि-एआइ' नामक सुपर कंप्यूटर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग सफलतापूर्वक शुरू हुआ। यह भारत का पहला द्रुत गति का सुपर कंप्यूटर था। नबंवर-2023 के आंकड़ों के अनुसार विश्व के 500 सर्वाधिक क्षमता वाले सुपर कंप्यूटरों में भारत के चार कंप्यूटर शामिल हैं। ये हैं- ऐरावत-पीएसएआइ, परमसिद्धि, प्रत्यूष और मिहिर।

कण-यांत्रिकी को कंप्यूटर का भविष्य माना जा रहा है। पारंपरिक कंप्यूटर बिट (अंश) पर काम करते हैं, वहीं क्वांटम कंप्यूटर में प्राथमिक इकाई 'क्यूबिट' यानी कणांश होता है। पारंपरिक कंप्यूटर में प्रत्येक बिट का मूलाधार या मूल्य शून्य और एक (एक) होता है। कंप्यूटर इसी शून्य और एक की भाषा में कुंजी-पटल (की-बोर्ड) से दिए निर्देश को ग्रहण करके समझाता है और परिणाम को अंजाम देता है। वहीं क्वांटम की विलक्षणता यह होगी कि वह एक साथ ही शून्य और एक दोनों को ग्रहण कर लेगा। यह क्षमता क्यूबिट की वजह से विकसित होगी।

परिणामस्वरूप यह दो क्यूबिट में एक साथ चार मूल्य या परिणाम देने में सक्षम हो जाएगा। एक साथ चार परिणाम स्क्रीन पर प्रकट होने की इस अद्वितीय क्षमता के कारण इसकी गति पारंपरिक कंप्यूटर से कहीं ज्यादा होगी। इस कारण यह पारंपरिक कंप्यूटरों में जो गूढ़-लेखन कर दिया जाता है, उससे कहीं अधिक मात्रा में यह कंप्यूटर डेटा ग्रहण करने और सुरक्षित रखने में समर्थ होगा।

राहुल गांधी हैं पीएम मोदी की सबसे बड़ी शक्ति देश को खल रही ताकतवर विपक्ष की कमी

जानती हूं कि जो बात आज कहने वाली हूं इस लेख में, उसको बहुत बार कह चुकी हूं, लेकिन क्या करूं? राहुल गांधी का लोकसभा में भाषण सुनने के बाद दोबारा कहने पर मजबूर हूं कि नेता प्रतिपक्ष अपने प्रधानमंत्री की सबसे बड़ी शक्ति हैं। जब भी बोलते हैं, खासतौर पर संसद के अंदर, साबित करते हैं कि उनको गंभीरता से लेना मुश्किल नहीं, नामुमकिन है। इस बार बहस का विषय उनके कहने पर तय हुआ था। एसआइआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) पर संसद में बहस करवाने के लिए महीनों से प्रदर्शन करते आए हैं कांग्रेसी सांसद संसद के परिसर में। ऐसे प्रदर्शन हुए हैं राहुल गांधी के कहने पर, इसलिए सोचा था मैंने कि इस बार उनकी तरफ से ऐसा भाषण सुनने को मिलेगा, जिसको याद किया जाएगा इतिहास के पन्नों में।

इस उम्मीद से मैंने उनका पूरा भाषण शुरू से अंत तक सुना, लेकिन शुरू जब उन्होंने खादी कपड़ा और कांजीवरम साड़ियों से किया, मैं हैरान हुई। फिर उन्होंने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालयों के कुलपति आजकल चुने जाते हैं सिर्फ ऐसे लोग, जिनकी सोच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से मेल खाती है, तो सोचने लगी कि शायद विषय को भूल गए हैं। सभापति को भी अब तक ऐसा लगने लगा था, तो उन्होंने नेता प्रतिपक्ष को टोकते हुए याद दलिाया कि बहस किस विषय पर

हो रही थी। तिलमिलाकर राहुल गांधी ने कहा कि उनको विषय याद है और उस पर ही आने वाले हैं।

यहां उन्होंने याद दिलाया कि ब्राजील की एक महिला ने हरियाणा के चुनावों में बाईस बार वोट डाला था। इससे साबित होता है, उन्होंने आगे कहा, कि हरियाणा का चुनाव चोरी से भारतीय जनता पार्टी ने जीता है। ऐसा महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भी हुआ है उनके हिसाब से और हाल में बिहार में भी वोट चोरी करके भाजपा जीती है। फिर धमकी दी चुनाव आयुक्त को कि उनका जब समय आएगा सत्तापक्ष में बैठने का तो उनको ढूंढ़कर दंडित कराएंगे। उनके इस भाषण को सुनकर तय कर लिया मैंने कि राहुल गांधी को वास्तव में गंभीरता से लेना नामुमकिन है। बहस के अंत में जब गृहमंत्री ने तगड़ा जवाब दिया उनके आरोपों का, तो नेता प्रतिपक्ष अपने सांसदों को लेकर 'वाकआउट' कर गए। जाते-जाते गृहमंत्री को धमकी देते गए कि उनमें हिम्मत नहीं है उनके तीन 'परमाणु बम वाली' प्रेस वार्ताओं पर बहस करवाएं। अब खबर यह है कि संसद सत्र के बीच ही वह निकल गए हैं विदेश।

इस बहस के बाद संयोग से मेरी मुलाकात हुई एक मोदी भक्त से, जिसने मुस्कराते हुए मुझे कहा, '2029 में भी मोदी के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ेगी भारतीय जनता पार्टी और मुझसे लिख कर ले लो कि मोदी चौथी बार प्रधानमंत्री बनने वाले हैं'। मैंने जब उनसे कहा कि ऐसा मैं नहीं मानती हूं इसलिए कि आम लोगों के जीवन में वह परिवर्तन नहीं आया है, जिसका वादा मोदी करते आए हैं पिछले ग्यारह वर्षों से। सरकारी स्कूल वैसे के वैसे रद्दी हैं आज भी। सरकारी अस्पतालों में कोई परिवर्तन नहीं दिखता है। गांवों में जो घर-घर नल का वादा था वह भी लटका हुआ है। रही भ्रष्टाचार समाप्त करने की बात, तो यहां भी थोड़ा फर्क नहीं दिखता है आम मतदाताओं को। तो जीतेंगे कैसे चौथी बार? उस भक्त ने फिर से मुस्कराकर कहा, 'जीतेंगे, जब तक उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी राहुल गांधी रहते हैं'। उनकी इस बात ने मुझे चुप करा दिया।

देश की समस्या यह है कि एक ताकतवर विपक्ष की हमको सख्त आवश्यकता है। उसके बिना न संसद के अंदर और न संसद के बाहर उन चीजों में सुधार आने वाले हैं, जिनकी जनता को जरूरत है। सरकारी सेवाओं में सुधार के अलावा हमको उन बुनियादी चीजों में परिवर्तन चाहिए, जिनके बिना जीना मुश्किल है अपने देश में। हमारे बेहाल शहरों में जीना छोड़ो, सांस लेना मुश्किल हो गया है। हाल में लौटी हूं न्यूयार्क से, जहां रोज एक्यूआइ जांचती थी और हैरान रह जाती थी कि दुनिया के इस सबसे बड़े महानगर में वायु प्रदूषण है ही नहीं। पानी इतना साफ है कि सीधा नल खोलकर लोग पीते हैं बिना इस चिंता के कि उनको टाइफाइड या पीलिया जैसी कोई बीमारी हो सकती है।

अपने देश में हाल यह है कि तकरीबन सारी बीमारियां होती हैं गंदगी की वजह से। गंदगी के कारण 1000 में से 28 भारतीय बच्चे मर जाते हैं पांच साल तक पहुंचने से पहले और अक्सर ये मौतें होती हैं ऐसी बीमारियों से, जो लाइलाज नहीं हैं। अगर हमारे शासकों ने ध्यान दिया होता शहरों और गांवों में सफाई पर, तो न बच्चे मरते और न बीमारियां फैलतीं। हमसे गरीब देश हमसे साफ क्यों हैं, हमारे शासक कभी पूछते नहीं हैं। दूर जाने की जरूरत नहीं है, श्रीलंका ही चले जाइए और देखिए कि न शहरों की सड़कों पर कूड़ा दिखता है और न गांवों में गंदगी। पिछले साल मैंने सड़क के रास्ते कोलंबो से कैंडी तक यात्रा की और यकीन मानिए कि मैंने कहीं कूड़ा नहीं देखा।

कहने का मतलब है मेरा कि बहुत कुछ है करने को अपने देश में, लेकिन जब तक नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी रहेंगे, तब तक कोई उम्मीद नहीं है कि कुछ होने वाला है। अव्वल तो विदेश की यात्राएं उनकी कुछ ज्यादा होती हैं और जहां जाते हैं लोगों को कहना नहीं भूलते हैं कि भारत को बर्बाद किया है नरेंद्र मोदी ने सारी लोकतांत्रिक संस्थाओं को समाप्त करके। इतना बुरा हाल है, तो आप देश में कुछ ज्यादा समय क्यों नहीं बिताते हैं? या फिर अपनी जगह किसी और को देते क्यों नहीं हैं? दूसरी तरफ मोदी और मोदी भक्त चैन से बैठे हुए हैं इस बात को याद करके कि जब तक राहुल गांधी हैं मोदी के सामने, तब तक 'आएगा तो मोदी ही'।

भिवानी से इंकार, हमको चाहिए जिला हिसार : सिवानी की एक दशक पुरानी, न्यायसंगत पुकार

डॉ. प्रियंका सौरभ

लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रशासनिक सीमाएँ पत्थर की लकीर नहीं होतीं। वे जनता की सुविधा, सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं और क्षेत्रीय संतुलन के अनुरूप समय-समय पर पुनः परिभाषित की जाती हैं। जब कोई प्रशासनिक ढांचा लगातार जनता के लिए असुविधा का कारण बने, तब उसका पुनर्विचार न केवल आवश्यक, बल्कि शासन की संवेदनशीलता की कसौटी भी बन जाता है। सिवानी मंडी उपमंडल को लेकर जिला भिवानी से अलग होकर जिला हिसार में शामिल किए जाने की मांग इसी लोकतांत्रिक विवेक और जनहित की भावना से उपजी है। यह मांग न तो अचानक उठी है और न ही किसी राजनीतिक मौसम की उपज है। यह एक दशक से अधिक समय से चल रहा शांत, संगठित और तर्कपूर्ण जन-आंदोलन है, जिसकी जड़ें सिवानी क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक वास्तविकताओं में गहराई से धंसी हुई हैं।

आंदोलन की शुरुआत : अगस्त 2016

इस आंदोलन की औपचारिक शुरुआत अगस्त 2016 में हुई, जब छह जागरूक नागरिकों–बड़वा के प्रमुख समाज सेवी महेंद्र लखेरा, सुनील सिंहमार (एडवोकेट), लाल सिंह 'लालू', डॉ. सत्यवान सौरभ, सुरेंद्र भुक्कल और मुकेश भुक्कल–ने मिलकर इस प्रश्न को व्यक्तिगत असुविधा से ऊपर उठाकर जनहित के मुद्दे के रूप में सामने रखा। उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा था कि यह पहल आने वाले वर्षों में सिवानी की सामूहिक चेतना का स्वर बन जाएगी। शुरुआत में यह संघर्ष कुछ बैठकों, ज्ञापनों और चर्चाओं तक सीमित रहा, लेकिन जैसे-जैसे आम लोगों ने अपनी रोजमर्रा की समस्याओं को इस मांग से जुड़ा पाया, वैसे-वैसे आंदोलन का दायरा बढ़ता गया। आज, लगभग दस वर्षों बाद, यह अभियान किसी समिति या व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि पूरे सिवानी उपमंडल की साझा आवाज़ बन चुका है।

भौगोलिक सच्चाई : नक्शे और जमीन के बीच का अंतर

किसी भी जिले या उपमंडल की प्रशासनिक संबद्धता का पहला और सबसे ठोस आधार उसकी भौगोलिक स्थिति होती है। इस कसौटी पर सिवानी का भिवानी से जुड़ाव कमजोर और हिसार से संबंध अत्यंत स्वाभाविक प्रतीत होता है। उदाहरण के लिए, बडवा से हिसार की दूरी लगभग 25 किलोमीटर है, जबकि भिवानी की दूरी करीब 70 किलोमीटर पड़ती है। यह अंतर केवल किलोमीटर का नहीं, बल्कि समय, श्रम और संसाधनों का भी है। भिवानी जाने के लिए सिवानी क्षेत्र के अनेक गांवों के लोगों को दो से तीन बसें बदलनी पड़ती हैं, जबकि हिसार के लिए प्रायः सीधी एक बस उपलब्ध होती है। यह अंतर उस आम नागरिक के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जो किसी सरकारी दफ्तर, अस्पताल या अदालत के चक्कर में पहले ही मानसिक दबाव से गुजर रहा होता है।

परिवहन व्यवस्था : सुविधा बनाम विवशता

परिवहन किसी भी क्षेत्र की जीवनरेखा होता है। सिवानी उपमंडल के संदर्भ में देखें तो यह जीवनरेखा साफ तौर पर हिसार की ओर बहती है। हिसार के लिए हर 10-15 मिनट में बस या अन्य परिवहन साधन उपलब्ध हैं। इसके विपरीत, भिवानी के लिए कई बार एक घंटे या उससे अधिक समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। इसका परिणाम यह होता है कि भिवानी जाकर किसी कार्यालयीन कार्य को निपटाकर उसी दिन घर लौट पाना आम आदमी के लिए लगभग असंभव हो जाता है। एक दिन का काम दो दिन में बदल जाता है, जिससे न केवल समय और धन की हानि होती है, बल्कि कामकाजी वर्ग, किसानों और व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ भी पड़ता है।

प्रशासनिक और व्यावहारिक निर्भरता

व्यवहारिक जीवन में सिवानी क्षेत्र की निर्भरता भिवानी पर नहीं, बल्कि हिसार पर है। उच्च शिक्षा संस्थान, बड़े अस्पताल, विशेष चिकित्सा सुविधाएं, प्रमुख मंडियां, रोजगार के अवसर और न्यायिक संस्थान–इन सबके लिए सिवानी का नागरिक स्वाभाविक रूप से हिसार की ओर देखता है। यह स्थिति एक विडंबना को जन्म देती है, जहां प्रशासनिक आदेश भिवानी से संचालित होते हैं, लेकिन जीवन की जरूरतें हिसार से पूरी होती हैं। यही असंतुलन वर्षों से जनता की असुविधा का कारण बना हुआ है।

सामाजिक और सांस्कृतिक साम्य

सिवानी का सामाजिक और सांस्कृतिक ताना-बाना भी हिसार से अधिक मेल खाता है। पारिवारिक रिश्ते, व्यापारिक संबंध, शैक्षिक आवाजाही और सामाजिक सहभागिता–इन सभी क्षेत्रों में सिवानी का जुड़ाव हिसार से अधिक गहरा है। लोकजीवन, भाषा-शैली और सामाजिक व्यवहार में भी यह साम्य स्पष्ट दिखाई देता है। प्रशासनिक सीमाएं यदि सामाजिक वास्तविकताओं के विपरीत खींची जाएं, तो वे जनता के लिए सुविधा की बजाय बाधा बन जाती हैं। सिवानी के मामले में यही स्थिति वर्षों से बनी हुई है।

नारे की भूमिका : विचार को पहचान

हर बड़े जन-आंदोलन को एक ऐसा वाक्य चाहिए होता है, जो उसकी पूरी भावना को कुछ शब्दों में समेट दे। सिवानी आंदोलन को यह पहचान मिली नारे के रूप में–

भिवानी से है इंकार, हमको चाहिए जिला हिसार।'

यह नारा डॉ. सत्यवान सौरभ की कलम से निकला, और धीरे-धीरे आंदोलन की वैचारिक पहचान बन गया। यह केवल भावनात्मक उद्घोष नहीं, बल्कि सिवानी क्षेत्र की भौगोलिक सच्चाई, प्रशासनिक तर्क और जन-आकांक्षा का संक्षिप्त लेकिन सटीक बयान है। यही नारा गांव-गांव, ढाणी-ढाणी और चौपाल-चौपाल तक पहुंचा और आम लोगों की जुबान पर चढ़ गया।

शांत, लोकतांत्रिक और निरंतर संघर्ष

इस आंदोलन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह रही है कि यह कभी उग्र या विभाजनकारी नहीं हुआ। ज्ञापन, बैठकों, संवाद, रैलियों और शांतिपूर्ण तरीकों से अपनी बात सरकार तक पहुंचाई गई। यही कारण है कि यह आंदोलन किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि किसानों, व्यापारियों, युवाओं, महिलाओं, कर्मचारियों और सामाजिक संगठनों–सभी की साझा मांग बन गया। दस वर्षों की निरंतरता यह सिद्ध करती है कि यह मुद्दा क्षणिक नहीं, बल्कि स्थायी समाधान की मांग करता है।

विधानसभा क्षेत्र पर संतुलित दृष्टिकोण

जहां तक राजनीतिक प्रतिनिधित्व का प्रश्न है, आंदोलन की मांग वहां भी संतुलित और व्यावहारिक है। स्पष्ट रूप से कहा गया है कि उपमंडल सिवानी यथावत रहे, और विधानसभा हल्का भी सिवानी के नाम से ही गठित किया जाए। इससे न तो क्षेत्रीय पहचान को नुकसान पहुंचेगा और न ही प्रशासनिक संतुलन बिगड़ेगा।

सरकार के लिए कसौटी

आज जब शासन 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ गवर्नेंस' जैसे सिद्धांतों की बात करता है, तो सिवानी का प्रश्न एक वास्तविक परीक्षा बन जाता है। यदि प्रशासनिक निर्णय जनता की रोजमर्रा की कठिनाइयों को कम नहीं कर पा रहे, तो उन्हें बदलने का साहस दिखाना ही सुशासन की पहचान है।

एक क्षेत्र की सामूहिक आकांक्षा लगभग दस वर्षों का यह शांत, संगठित और जन-आधारित संघर्ष स्पष्ट संकेत देता है कि सिवानी की यह मांग किसी व्यक्ति, समिति या संगठन की नहीं, बल्कि एक पूरे क्षेत्र की सामूहिक आकांक्षा है। अब यह प्रश्न केवल भिवानी या हिसार का नहीं, बल्कि प्रशासनिक विवेक और जन-संवेदनशीलता का है। सरकार के लिए यह अवसर है कि वह सिवानी को उसकी भौगोलिक और सामाजिक सच्चाई के अनुरूप प्रशासनिक संबद्धता देकर यह संदेश दे कि लोकतंत्र में जनता की आवाज़ सुनी जाती है। भिवानी से इंकार, हमको चाहिए जिला हिसार–आज यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि सिवानी के भविष्य की घोषणा है।

सुशासन सप्ताह के विशेष शिविर के रूप में आयोजित हुआ तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस

सुशासन का मूल्यांकन धरातल पर सेवा वितरण से होना चाहिए-जिलाधिकारी शैलेष कुमार

भदोही। 'सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर' पर आधारित विशेष कैम्प के रूप में "सम्पूर्ण समाधान दिवस" का आयोजन जनपद के सभी तहसीलों में किया गया। आज का सम्पूर्ण समाधार दिवस लोक शिकायतों के निवारण व सेवा वितरण में सुधार हेतु सम्बन्धित था। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि सुशासन का उद्देश्य जमीनी स्तर पर सेवाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देते हुए नागरिक-केन्द्रित शासन को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि सुशासन केवल नीतियों और संस्थागत ढ़ाचों में ही नही, बल्कि इस बात में भी परिलक्षित होता है कि सार्वजनिक सेवाएं नागरिकों तक कितनी प्रभावी ढ़ग से पहुँचती है और शिकायतों का कितनी तत्परता से समाधान किया जाता है। सम्पूर्ण समाधान दिवस के विशेष शिविर में जनशिकायतों को प्रभावी ढंग से निस्तारण किया गया। आईजीआरएस व राज्य पोर्टलों पर प्राप्त शिकायतों का समाधान किया गया। सेवा वितरण आवेदनों का निपटान किया गया। सुशासन प्रथाओं का संकलन का प्रसार किया गया।

तहसील भदोही में जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, उप जिलाधिकारी अरुण गिरी, तहसील ज्ञानपुर में अपर जिलाधिकारी विजय नारायण सिंह, उप जिलाधिकारी भान सिंह, तहसील औराई में अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, उप जिलाधिकारी श्याममणि त्रिपाठी व अन्य अधिकारियो द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित होकर फ़रियादियों की समस्याओ को गंभीरता से सुनकर निस्तारण किया गया। सभी तहसीलों में जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में सुशासन आधारित लगायें गये विभिन्न कैम्पो-बाल विकास पुष्टाहार विभाग, आयुष्मान गोल्डेन कार्ड, परिवार नियोजन, समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्धावस्था पेंशन, महिला कल्याण विभाग

द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के उन्नयन हेतु विविध योजना मिशन शक्ति, राजस्व विभाग हेल्प डेस्क, जागरूकता हेतु लगाये गये। तहसील भदोही में लगाये गये कैम्प का जिलाधिकारी ने निरीक्षण करते हुयें उनके द्वारा लाभार्थियों को दी जाने वाली योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी ली। तहसील भदोही सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा सुनवाई के दौरान प्रार्थी अशोक कुमार पुत्र मोहन लाल निवासी द्वारा बिजली कनेक्शन नही फिर भी आ रहे बिजली बिल, प्रार्थी अशोक कुमार तिवारी पुत्र रामचन्द्र तिवारी निवासी ग्राम चांदीगहना द्वारा नाले में बने कछुआबोझ पुल को डिवाईडर को तोडने के सम्बन्ध में, प्रार्थी अमित कुमार निवासी बनकट हरीपट्टी वसीयतनामा के सम्बन्ध में, प्रार्थी लोलारख यादव बिजली बिल के सम्बन्ध में सहित अन्य फरियादियों द्वारा दिये गये आवेदनों पर गम्भीरता से सुनते हुए निस्तारण करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने तहसील भदोही के संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर त्वरित निस्तारण करते हुए सुशासन को स्थापित किया। साथ ही आईजीआरएस में प्राप्त लोक शिकायतों का निस्तारण, ऑनलाईन "सर्विस डिलीवरी" की सेवाओं में वृद्धि किया गया। जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरता से सुनते हुए गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध समाधान करने का निर्देश दिया। कानूनगो व लेखपाल को निर्देशित किया कि जमीन सम्बन्धी मामले में पुलिस टीम के साथ समन्वय व सहयोग बनाते हुए निस्तारण सुनिश्चित कराये। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कुछ ऐसे मामले होते है जो दो या तीन विभागों के मध्य संयुक्त रहता है। सम्पूर्ण समाधान दिवस एक ऐसा सुअवसर होता है जहा पर एक ही दिन, एक ही निश्चित समय पर सभी जनपदीय अधिकारी उपस्थित होते है। अर्न्तविभागीय समन्वय स्थापित करते हुयें ऐसे सभी मामलों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि प्रदेश सरकार की मंशानुरूप जनता जनार्दन को अपने तहसील स्तर पर ही उनकी शिकायतों का निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाएं। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस द्वारा शासन त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। तहसील दिवस में आए जनता की समस्याओं का पुलिस व राजस्व अधिकारी संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण करते हुए न्यायोचित निस्तारण कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रो को अधिकारी गुणवत्तापूर्ण ढंग से एक सप्ताह के अन्दर निस्तारण कराना सुनिश्चित कराये। उन्होंने जनपद में शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराने हेतु सभी को प्रोत्साहित किया। गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन के मंशानुरूप सुशासन को निर्धारित समय सीमा में जनपदवासियों को अच्छादित किया जाय। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता की बातो को गम्भीरता से अवश्य सुने। जिलाधिकारी के समक्ष प्राप्त कुल 25 शिकायतों में से 05 का तत्काल निस्तारण कर शेष पर प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। तहसील ज्ञानपुर में 24 में 06 तथा तहसील औराई में 27 में 05 शिकातयों को सुनकर सम्बन्धित विभागों को निस्तारण हेतु भेजा गया।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभागाध्यक्ष अपने विभाग स्तर पर ही शिकायतकर्ताओं को संतुष्टि के साथ शिकायत निस्तारण सुनिश्चित करें। यदि प्राथमिक स्तर पर ही विकास खण्ड कार्यालय उप जिलाधिकारी कार्यालय व विभागाध्यक्ष द्वारा गुणवत्ता व संतुष्टिपरक समय-सीमा में शिकायतों का निस्तारण कर लिया जाय तो फरियादियों को जिलाधिकारी, मण्डलायुक्त व सीएम पोर्टल पर शिकायत करने की स्थिति ही नही आयेगी। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रो को अधिकारी गुणवत्तापूर्ण ढंग से एक सप्ताह के अन्दर निस्तारण कराना सुनिश्चित कराये। ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि राजस्व व जमीन प्रकरण शिकायत के निस्तारण हेतु राजस्व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर जॉच करते समय शिकायतकर्ता अथवा वहॉ पर उपस्थित व्यक्तियो के हस्ताक्षर अवश्य कराये तथा फोटोग्राफ्स भी सुनिश्चित करें।

निःशुल्क कन्वर्जन कैंप का आयोजन

आज दिनांक 20दिसंबर 2025 को सुरियावा ब्लॉक के छनौरा गाँव मे वेल्सपन फाउंडेशन फॉर हेल्थ एंड नॉलेज और मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान के सयुंक्त तत्वाधान मे निःशुल्क कन्वर्जन कैंप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन CHO दीनानाथ जी के द्वारा किया गया जिसमे

निःशुल्क सरकारी योजना PMJY के अंतरगत कॉवर्जन्स कैम्प का आयोजन किया गया कन्वर्जेंस कैंप में CHO की अहम् भूमिका रही इस निःशुल्क कन्वर्जन कैंप में 17 लोग जो 70 आयु से ऊपर थे PMJY के द्वारा उनका आयुष्मान कार्ड से जोड़ा गया 50 से अधिक महिलाये और पुरुष सामिल हुए जिसमे 40 लोगो का निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाया गया। इस कार्यक्रम में सरकार की भी मनसा है कि इससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो , पर जानकारी के अभाव के कारण गरीब जनता की पहुंच नहीं हो पाती पात्र होते हुए भी उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल पता इसमें जो 70 साल से अधिक उम्र के लोग हैं पात्र होते हुए भी उनको जानकारी न होने के कारण उनका कार्ड नहीं बना था पर कैंप के द्वारा उन लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाने में सहयोग किया गया जिसमे सावित्री देवी, पियर लीडर सुषमा ने बखूबी अपनी जिम्मेदारी निभाई केसा देवी और रीता सिंह भी सामिल हुई ।

दक्षिण मोहल्ला में 249 हजरत अब्दुल क़ादिर शाह व हजरत हाजी अताउल्ला शाह बाबा का सालाना उर्स अकीदत के साथ मनाया गया

हर साल की तरह इस वर्ष भी माधोसिंह के दक्षिण मोहल्ला में हजरत अब्दुल क़ादिर शाह एवं हजरत हाजी अताउल्ला शाह बाबा का सालाना उर्स पूरी अकीदत, श्रद्धा और शांति के माहौल में मनाया गया। उर्स की शुरुआत देर रात 12 बजे परचम कुशाई के साथ हुई, जबकि तड़के सुबह 4 बजे गुस्ल कराया गया।

इसके बाद नमाज़े ज़ोहर से नमाज़े असर तक कुरआन-ए-पाक की तिलावत की गई। सुबह से ही हकीकत मानने वालों और अकीदतमंदों का आना-जाना शुरू हो गया था। उर्स के मौके पर घागर-चादर का जुलूस पूरे माधोसिंह कस्बे में भ्रमण करते हुए निकाला गया, जो बाद में मजार पर चढ़ाया गया। नमाज़े असर के बाद शाम 4:30 बजे दुआखानी व फातिहाखानी का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। उर्स के दौरान सुबह से ही मेला भी लगा रहा, जहां मिठाई, बिस्किट, बच्चों के खिलौने, फूल-मालाएं और चादरों की दुकानें सजी रहीं।

मजार के मुजावर मुन्ने मियां काज़ी ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी उर्स के समापन के बाद नमाज़े ईशा के बाद एक जलसे का आयोजन किया जाएगा।

इस मौके पर मुकीम अली, जाफर अली, मोहम्मद आदिल व मोहम्मद साद सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। उर्स के आयोजन से पूरे क्षेत्र में भाईचारे और सौहार्द का संदेश देखने को मिला।

जनपद भदोही में जिला प्रशासन द्वारा शीतलहर के दृष्टिगत किये जा रहे राहत कार्य

143 स्थलों पर जलाये गये अलाव, 07 स्थलों पर बनाए गये रैन बसेरा - भदोही रेलवे स्टेशन व निकायों में बने रैन बसेरा

भदोही। जनपद भदोही में जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशन में एवं अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) कुंवर वीरेंद्र मौर्य के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा शीतलहर/ठंड से बचाव हेतु निराश्रित/असहाय/कमजोर वर्ग के लोगों के लिये निम्नवत राहत कार्य किए जा रहे हैं।

अलाव

जनपद में जिला प्रशासन द्वारा नगर पालिका एवं तहसीलों के माध्यम से कुल 168 स्थलों (ज्ञानपुर सदर- 08 स्थल, भदोही- 21 स्थल, औराई- 12 स्थल एवं नगर निकायों में कुल 127 स्थल) को चिन्हित किया गया है, जहां पर अलाव जलवाया जा रहा है तथा समस्त अलाव के स्थलों की जियोटैग सूचना ऑनलाइन शासन द्वारा उपलब्ध करायी गयी आपदा प्रहरी मोबाइल ऐप्लिकेशन पर अपलोड भी कि जा रही है।

रैन वसेरा

जनपद स्तर पर कुल 7 स्थलों पर रैन बसेरे का संचालन किया जा रहा है, जिनकी कुल क्षमता 128 लोगों के रुकने की है । समस्त 7 स्थलों पर मौजूद रैन बसेरों में रजाई, गद्दा, मैटी, पेयजल, शौचालय, विद्युत इत्यादि सम्बंधित मूलभूत सुविधाओं कि व्यवस्था कि गयी है। नगर पालिका परिषद भदोही द्वारा रेलवे स्टेशन पर (अस्थायी रैन बसेरा-20 लोगों कि क्षमता), नगर पालिका परिषद, गोपीगंज (स्थायी रैन बसेरा-12 लोगों कि क्षमता), नगर पंचायत, नई बाजार (अस्थायी रैन बसेरा-8 लोगों कि क्षमता), नगर पंचायत, ज्ञानपुर (स्थायी रैन बसेरा-50 लोगों कि क्षमता) नगर पंचायत, सुरियावां (स्थायी रैन बसेरा-18 लोगों कि क्षमता) नगर पंचायत, घोसिया (अस्थायी रैन बसेरा-10 लोगों कि क्षमता) एवं नगर पंचायत, खमरिया में (अस्थायी रैन बसेरा-10 लोगों कि क्षमता) रैन बसेरा संचालित है। जहां पर आने वाले लोग रुक रहे हैं एवं रैन बसेरा में प्रत्येक रुकने वाले व्यक्ति कि सूचना प्रत्येक दिवस ऑनलाइन शासन द्वारा उपलब्ध करायी गयी आपदा प्रहरी मोबाइल ऐप्लिकेशन पर अपलोड कि जा रही है।

कंबल वितरण

जनपद भदोही में असहायों एवं निराश्रितों के मध्य वर्तमान शीतलहर में निराश्रित, असहाय, एवं कमजोर वर्ग के लोगों के मध्य कंबल वितरण सुनिश्चित करने हेतु तहसीलवार कुल 3138 कंबल किए जाने हेतु कार्यवाही कि गई है। 1,000 हजार कंबल प्रति तहसील वितरण हेतु उपलब्ध करा दिया गया है।

91 ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल लगाकर सुशासन सप्ताह- प्रशासन गॉव की ओर' को किया गया साकार

पंचायत सचिवालयों में डिजिटल परिवर्तन और नागरिको के डिजिटल सशक्तिकरण के उद्देश्य से नवाचारों पर ध्यान केन्द्रित-जिलाधिकारी

भदोही। सुशासन सप्ताह 2025'-'प्रशासन गॉव की ओर' राष्ट्रव्यापी अभियान के क्रम में जिलाधिकारी शैलेष कुमार के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल के पर्यवेक्षण में जनपद के सभी विकासखण्डों में रोस्टर वाइस 91 ग्राम पंचायतों में विशेष कैम्प लगाकर जनकल्याणकारी योजनाओं से अन्त्योदय वर्ग को ग्राम चौपाल लगाकर लाभान्वित किया गया।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन लाने के उद्देश्य 'प्रशासन गॉव की ओर' अभियान शुरू किया गया है। जिसका उद्देश्य जनता की शिकायतों का निवारण और निपटान करना व ग्रामीण स्तर तक सेवा वितरण में सुधार करना है। जिलाधिकारी ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर संचालित सुशासन सप्ताह विशेष कैम्प के अन्तर्गत विभिन्न विभागों के उपस्थित कार्मिकों द्वारा विभाग की योजनाओं में पात्र व्यक्तियों का रजिस्टेड्डशन किया जा रहा है। ऑनलाईन सर्विस डिलिवरी के अन्तर्गत सेवाओं में वृद्धि करते हुए आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु, कुटुम्ब रजिस्टर, सभी प्रकार की पेंशनो, फार्मर आईडी, आयुष्मान कार्ड, दिव्यांग प्रमाण पत्र इत्यादि। ऑनलाईन आवेदन के माध्यम से डिजिटल सशक्तिकरण पर बल दिया जा रहा है।

शासन के मंशानुरूप मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने बताया कि सभी विकासखंड के कुल 91 ग्राम पंचायतों में "ग्राम चौपाल" 'सुशासन सप्ताह-प्रशासन गॉव की ओर' का आयोजन किया गया। जिसमें जनसामान्य की शिकायतों व समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया।

विकास खण्ड अभोली के कुल 10 ग्रामों में प्राथमिक विद्यालय नागमलपुर, प्राथमिक विद्यालय आनन्दडीह, विकास खण्ड औराई के कुल 22 ग्रामों में प्राथमिक विद्यालय परिसर माधोरामपुर, प्राथमिक विद्यालय परिसर बासदेवपुर, प्राथमिक विद्यालय परिसर कठारी, प्राथमिक विद्यालय परिसर बैराखास, प्राथमिक विद्यालय परिसर मवैयाहरदो पट्टी, विकास खण्ड भदोही के कुल 19 ग्रामों में प्राथमिक विद्यालय परिसर मूसीलाटपुर, प्राथमिक विद्यालय पल्हैया, प्राथमिक विद्यालय मर्चवार, प्राथमिक विद्यालय माधोरामपुर, विकास खण्ड डीघ के कुल 20 ग्रामों में प्राथमिक विद्यालय परिसर कलिक मवैया, प्राथमिक विद्यालय परिसर बेरवा पहाड़पुर, प्राथमिक विद्यालय परिसर इनारगॉव, प्राथमिक विद्यालय परिसर अमिलौर उपरवार, प्राथमिक विद्यालय परिसर बेरासपुर उपरवार, विकास खण्ड ज्ञानपुर में कुल 10 ग्रामों में प्राथमिक विद्यालय परिसर कसीदहा, प्राथमिक विद्यालय परिसर लक्ष्मणपट्टी, प्राथमिक विद्यालय परिसर बनकट चनौरा, प्राथमिक विद्यालय परिसर नथईपुर, विकास खण्ड सूरियावा के कुल 10 ग्रामों में प्राथमिक विद्यालय परिसर जमुनीपुर अठगवा, प्राथमिक विद्यालय परिसर भौरी, प्राथमिक विद्यालय परिसर जगदीशपुर में सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारियों, सचिवों, ग्राम प्रधानों व अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों की शिकायतों को सुनकर निस्तारण किया गया तथा प्राथमिकता के आधार पर पात्र व्यक्तियों को विभिन्न योजनाओं में रजिस्टेड्डशन कर लाभान्वित किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने बताया कि शासन के मंशानुरूप ग्राम चौपाल 'सुशासन सप्ताह- प्रशासन गॉव की ओर' कार्यक्रम का आयोजन समस्त विकास खण्डो के ग्राम पंचायतों में सफलतापूर्वक किया गया। ग्राम चौपाल की शुरूआत जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायत में कराये गये कार्यो के निरीक्षण से हुई जिसमें अमृत सरोवर का अवलोकन करते हुए मनरेगा योजना, वरासत, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र एवं जमीनी संबंधी शिकायत, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर नकल, आवास, फार्मर रजिस्ट्री कैम्प, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं व ग्रामीणों से संवाद करके सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गयी तथा पंचायत विभाग द्वारा वित्त आयोग की धनराशि से कराये जाने वाले कार्य, ग्राम पंचायत में लगायी गयी लाईटो, सामुदायिक शौचालयों, पंचायत भवन, जल निकासी नाली, सड़क सम्पर्क मार्ग, गौआश्रम स्थल, एम0डी0एम0, संचारी रोग, टीकाकरण, वृद्धा एवं विधवा, विकलांग पेंशन आदि विकास योजनाओं का सत्यापन किया गया। बेसिक विद्यालयों एवं डीबीटी की स्थिति,आयुष्मान आरोग्य मंदिर/स्वास्थ्य उपकेन्द्र, आंगनबाड़ी भवन आदि का अवलोकन किया गया। जनचौपाल में आयुष्मान कार्ड, किसान सम्मान निधि एवं फार्मर रजिस्ट्री, पोषाहार, सिंचाई से सम्बन्धित शिकायत, कृषि एवं कृषि रक्षा से जुड़े प्राकृतिक एवं आरगैनिक खेती, हर घर नल से जल तथा सुशासन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

बच्चों का सर्वांगीण विकास ही विद्या मंदिर की सफलता है- जिलाधिकारी

भदोही। सेंट जॉन्स' स्कूल औराई के 17 वें वार्षिकोत्सव समारोह में जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कहा कि छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास ही विद्या मंदिर की अभूतपूर्व सफलता होती है विद्या मंदिर के द्वारा प्रतिभाओं में निखार आता है बच्चों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान होता है। जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा जगत में ज्ञान के साथ ही साथ कला एवं खेल तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में भी बच्चों का विकास होता है।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य के के मैथ्यू ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का अंगवस्त्रम एवं मोमेंटो दे कर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी व अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर? किया गया। जिलाधिकारी ने मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। बच्चों ने स्वागत नृत्य के अलावा,केरला , राजस्थानी नृत्य, सेमी, क्लासिकल डांस ,आशा की किरण ,कव्वाली नृत्य, देशभक्ति नृत्य ,कश्मीरी नृत्य ,पंजाबी नृत्य ,सक्सेस मंत्रा मराठी नृत्य, अजब डॉक्टर की गजब कहानी नाटक ,बॉलीवुड डांस सहित मनोहरी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया,जिसकी उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों ने सराहना की। इस अवसर पर सेंट थॉमस स्कूल गोपीगंज प्रबंधक साम अब्राहम, प्रधानाचार्य बिंद्रा सैम, सेंट थॉमस स्कूल ज्ञानपुर प्राचार्य पालसन फिलिप, चंदौली के प्रिंसिपल जोजफ रिटायर्ड आदि उपस्थित रहें।

प्रशासन गांव की ओर के क्रम में शाकभाजी बीज वितरण एवं कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

विधायक विपुल दुबे ने कृषकों को शाकभाजी बीज वितरण कर,औद्यानिक एवं जैविक खेती करने हेतु किया प्रेरित

भदोही। सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर के क्रम में उद्यान विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 में शाकभाजी बीज वितरण एवं कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि ज्ञानपुर विधायक विपुल दूबें जी का बुकें एवं अग्रवस्त्रम भेटकर जिला उद्यान अधिकारी ममता सिंह द्वारा अभिवादन किया गया। विधायक विपुल दुबे द्वारा कृषकों को शाकभाजी बीज वितरण करते हुए औद्यानिक एवं जैविक खेती करने हेतु प्रेरित किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र वेंजवा के वैज्ञानिक डा0 किरन जी द्वारा कृषकों को पौधों में लगने वाले रोगों एवं कीटनाशक से बचाव संबंधित जानकारी प्रदान की गयी, डा0 रामेशवर सिंह द्वारा जैविक खेती करने एवं उसके

फायदों आदि की जानकारी प्रदान की गयी। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा जनपद में संचालित समस्त योजनाओं के साथ-साथ ड्रैगन फ्रूट, स्ट्राबेरी की खेती, पपीता की खेती आदि फसलों की नवीन तकनीक की जानकारी प्रदान करते हुए बीज वितरण एवं कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन करते हुए सभी सम्मानित कृषकों को सधन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष,विजय बहादुर सिंह, कृषक बंधु, जनपदवासी उपस्थित रहें।

सुशासन सप्ताह के अंतर्गत उपकरण पाकर दिव्यांग बच्चों के चेहरों पर बिखरी मुस्कान

दिव्यांग बच्चे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं उन्हें उचित संसाधन और सहयोग प्रदान करना प्रशासन की प्राथमिकता है-डीएम

भदोही। सुशासन सप्ताह के अंतर्गत जनपद के दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से समग्र शिक्षा अभियान (समेकित शिक्षा) के अंतर्गत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय और एलिम्को कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में ब्लॉक संसाधन केंद्र घोषिया में भव्य उपस्कर एवं उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया।

भव्य शुभारंभ और अतिथियों का संबोधन कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ जिलाधिकारी शैलेष कुमार, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पांडेय ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि दिव्यांग बच्चे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्हें उचित संसाधन और सहयोग प्रदान करना प्रशासन की प्राथमिकता है। इन उपकरणों की मदद से उनके दैनिक जीवन की बाधाएं कम

होंगी और वे शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। इस मौके पर सीडीओ व बीएसए ने भी अभिभावकों को संबोधित किया।

75 बच्चों को मिले 85 उपकरण

शिविर के दौरान उन बच्चों को लाभान्वित किया गया, जिनका चयन पूर्व में आयोजित मेजरमेंट कैंप (मापन शिविर) में एलिम्को कानपुर के विशेषज्ञों द्वारा किया गया था। कुल 75 दिव्यांग बच्चों को उपकरण प्रदान किए गए, जिनमें समग्र शिक्षा अभियान के 71 और पीएम श्री योजना के 04 बच्चे शामिल रहे।

इस दौरान अधिकारियों द्वारा 30 टीएलएम किट, 12 क्रैचच, 01 वाकिंग स्टीक, 15 व्हील चेयर, 12 ट्राईसाइकिल, 04 रोलेटर, 03 सीपी चेयर, तथा 08 हियरिंग ऐड कुल 85 उपकरण दिव्यांग बच्चों में वितरित किया गया। नए उपकरण पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। अभिभावकों ने उत्तर प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के दिव्यांग बच्चों को नया जीवन मिलता है।

उपयोग के लिए दिया गया प्रशिक्षण

उपकरण वितरण के साथ-साथ उनके सही रखरखाव और उपयोग के प्रति भी जागरूकता दिखाई गई। एलिम्को कानपुर से आए विशेषज्ञ रामानंद,अनु रानी और महावीर,डीसी समेकित रश्मि मिश्रा, फिजियोथैरेपिस्ट जेपी सिंह तथा स्पेशल एजुकेटर्स द्वारा अभिभावकों को बताया कि इन आधुनिक उपकरणों का उपयोग कैसे करना है ताकि बच्चों को अधिकतम सुविधा मिल सके।

इस गरिमामयी कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी शालिनी श्रीवास्तव,डीसी एमडीएम सौरभ सिंह सहित विभाग के कई कर्मचारी और शिक्षक उपस्थित रहे। शिविर का सफल संचालन संतोष सिंह एवं डॉ. मानिक चंद ने संयुक्त रूप से किया।

नदी नाका परिसर में डिवाइडर पर चढ़ा सीमेंट से भरा ट्रक, बड़ा हादसा टला

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शहर के नदी नाका परिसर में स्थित डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम फ्लाईओवर पर शुक्रवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब मुंबई से वाडा की ओर जा रहा सीमेंट से भरा ट्रक अचानक सड़क के डिवाइडर पर चढ़ गया। डिवाइडर का सही अंदाजा न लग पाने के कारण ट्रक अनियंत्रित होकर उस पर चढ़ गया, जिससे कुछ समय के लिए इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर यातायात पुलिस और मनपा प्रशासन के कर्मचारी पहुंचे। क्रेन की मदद से ट्रक को सड़क से हटाया गया, जिसके बाद कुछ समय बाद यातायात को फिर से सुचारु किया जा सका। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई। स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों का कहना है कि इस फ्लाईओवर पर पहले भी कई वाहन इसी तरह डिवाइडर पर चढ़कर पलट चुके हैं। बावजूद इसके मनपा प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस उपाय नहीं किए गए हैं। लोगों का आरोप है कि डिवाइडर पर न तो पर्याप्त रिफ्लेक्टर लगे हैं और न ही चेतावनी संकेतक, जिससे रात के समय या तेज रफ्तार में आने वाले वाहनों को डिवाइडर का अंदाजा नहीं लग पाता।स्थानीय नागरिकों ने मनपा प्रशासन से मांग की है कि डॉ. एपी.जे. अब्दुल कलाम फ्लाईओवर पर डिवाइडर की ऊंचाई और स्थिति को स्पष्ट करने के लिए रिफ्लेक्टर, संकेत बोर्ड और स्ट्रीट लाइटिंग की उचित व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।फिलहाल ट्रक को हटाकर यातायात बहाल कर दिया गया है, लेकिन बार-बार हो रही दुर्घटनाओं को लेकर प्रशासन की लापरवाही पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

भोर में कल्याण रोड पर मनपा की मापजोख, व्यापारियों का विरोध तेज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-कल्याण नाका से कल्याण तक प्रस्तावित मेट्रो लाइन के निर्माण को लेकर शुक्रवार तड़के उस समय हड़कंप मच गया, जब भिवंडी मनपा का अतिक्रमण विभाग भारी पुलिस बल के साथ कल्याण रोड पर पहुँचा। मेट्रो प्रोजेक्ट से प्रभावित होने वाले मकानों और दुकानों की मार्किंग के लिए मापजोख शुरू की गई, जिसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय व्यापारियों ने विरोध तेज कर दिया। कल्याण रोड व्यापारी संगठन के पदाधिकारियों ने मौके पर घेराव आंदोलन शुरू कर दिया। देखते ही देखते सैकड़ों व्यापारी और स्थानीय नागरिक एकत्र हो गए, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। पूर्व विधायक रूपेश म्हात्रे ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब तक नया डीपी (डेवलपमेंट प्लान) लागू नहीं होता, तब तक किसी भी तरह की तोड़फोड़ की कार्रवाई नहीं की जा सकती। उन्होंने व्यापारियों के साथ खड़े रहने की बात कही। मनपा प्रशासन के अनुसार, मेट्रो परियोजना के तहत कल्याण रोड के दोनों ओर 18-18 मीटर, यानी कुल 36 मीटर लंबाई में अतिक्रमण हटाया

जाना प्रस्तावित है। इसी को लेकर मार्किंग की जा रही थी। इससे पहले भी मार्किंग का कार्य शुरू हुआ था, लेकिन विवाद के चलते उसे रोकना पड़ा था। मनपा सूत्रों का कहना है कि बड़ी संख्या में व्यापारी प्रशासन के साथ सहयोग करने को तैयार हैं, हालांकि कुछ व्यापारियों में अब भी असमंजस और नाराजगी बनी हुई है। पालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रभावित दुकानों और मकानों को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। फिलहाल प्रशासन और व्यापारियों के बीच बातचीत का दौर जारी है, जबकि मेट्रो परियोजना को लेकर कल्याण रोड क्षेत्र में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।

सांसद बाल्या मामा का नवी मुंबई एयरपोर्ट पैदल मार्च पुलिस ने रोका, आचार संहिता का हवाला

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम दिव्या पाटिल के नाम पर रखने की मांग को लेकर भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा के नेतृत्व में 22 से 24 दिसंबर तक मनकोली से एयरपोर्ट तक पैदल मार्च निकालने की योजना थी। हालांकि, नारपोली पुलिस ने इस मूवमेंट को अनुमति देने से इनकार कर दिया है।पुलिस ने बताया कि इस समय पूरे राज्य में भिवंडी समेत 29 महानगरपालिका चुनाव को लेकर आचार संहिता लागू है। इसी कारण किसी भी राजनीतिक गतिविधि को अनुमति नहीं दी जा सकती। सांसद को लिखित रूप में सूचित किया गया है कि आचार संहिता के दौरान पैदल मार्च या किसी प्रकार के सार्वजनिक कार्यक्रम की इजाजत नहीं दी जा सकती।सांसद बाल्या मामा और उनके समर्थक लंबे समय से एयरपोर्ट का नाम दिव्या पाटिल के नाम पर रखने की मांग कर रहे हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि वे इस प्रतिबंध के बावजूद अपनी योजना को लेकर क्या रुख अपनाते हैं और आंदोलन को कैसे आगे बढ़ाते हैं।

पारसनाथ कॉम्प्लेक्स में इलेक्ट्रॉनिक्स गोदाम में भीषण आग, लाखों का नुकसान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर के पारसनाथ कॉम्प्लेक्स में स्थित '9 टू 9 इलेक्ट्रॉनिक' नामक दुकान के गोदाम में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। इस आग में गोदाम में रखे गए ऍस्ल्हु, थ्3, एदहब जैसी नामी कंपनियों के करीब 200 स्मार्ट टीवी पूरी तरह जलकर खाक हो गए। इसके अलावा गोदाम में रखे डीप फ्रीजर भी आग की चपेट में आ गए।आग लगने की सूचना मिलते ही भिवंडी अग्निशमन दल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन आग से भारी आर्थिक नुकसान होने का अनुमान जताया जा रहा है।आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। प्राथमिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, हालांकि संबंधित विभागों द्वारा मामले की गहन जांच की जा रही है।फायर ब्रिगेड कर्मी अनिल कोकाटे ने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं और समय रहते आग को आसपास के दुकानों और गोदामों तक फैलने से रोक लिया गया। समय पर की गई कार्रवाई के कारण बड़ा हादसा टल गया।घटना के बाद पारसनाथ कॉम्प्लेक्स परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस और अग्निशमन विभाग की मौजूदगी में स्थिति को नियंत्रण में लाया गया।

राजनोली में ऑटो रिक्शा खड़ा करने को लेकर मारपीट

भिवंडी। रांजनोली गांव के गेट के पास ऑटो रिक्शा खड़ा करने की जगह को लेकर हुए विवाद में एक रिक्शा चालक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में कोनगांव पुलिस स्टेशन में आरोपी योगेश नामदेव पाटील समेत चार अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, फिर्यादी विश्वास ढुंदा म्हात्रे (40), पेशे से ऑटो रिक्शा चालक और निवासी पिंपलास, भिवंडी, 18 दिसंबर की सुबह करीब 7 बजे अपने चचेरे ससुर सहदेव भोईर के साथ रांजनोली गांव के गेट के पास स्थित एक वडापाव टपरी पर नाश्ता कर रहे थे। इसी दौरान आरोपी योगेश नामदेव पाटील ने ऑटो रिक्शा खड़ा करने की जगह को लेकर विवाद शुरू किया और गाली-गलौज करने लगा।आरोप है कि योगेश पाटील ने अपने चार अज्ञात साथियों को मौके पर बुलाया, जिसके बाद सभी ने मिलकर विश्वास म्हात्रे को जमीन पर गिराकर लात-घूंसे से मारपीट की। इसी दौरान एक आरोपी ने हेलमेट से उनके माथे पर वार किया, जिससे वे घायल हो गए।घटना के बाद पीड़ित ने कोनगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक रोहन गायकवाड़ कर रहे हैं।

पावरलूम फैक्ट्री से लाखों का कपड़ा चोरी

भिवंडी। शहर के कारगिल कंपाउंड इलाके में स्थित एक पावरलूम फैक्ट्री को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के तैयार कपड़े चुरा लिए। इस मामले में भोईवाडा पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 305 के तहत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कारगिल कंपाउंड स्थित पाकीजा टेक्सटाइल नामक फैक्ट्री में 19 दिसंबर की शाम करीब 6.30 बजे चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। चोर फैक्ट्री के पिछले दरवाजे से अंदर घुसे और गोदाम में रखा तैयार माल लेकर फरार हो गए।इस संबंध में फैक्ट्री मालिक एजाज अहमद मोहम्मद ईसा अंसारी निवासी खजूरपुरा, न्यू गोरीपाड़ा, ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, चोरों ने करीब 1 लाख 15 हजार रुपये मूल्य के 60 नंबर धागे से बने 200 नग तैयार कपड़े चोरी किए हैं।चोरी का खुलासा 20 दिसंबर की सुबह करीब 7.30 बजे उस समय हुआ, जब फैक्ट्री खोली गई। इसके बाद तुरंत भोईवाडा पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। इस घटना से इलाके के टेक्सटाइल व्यापारियों में चिंता और असुरक्षा का माहौल देखा जा रहा है।इस प्रकरण की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक नवनाथ रूपवते कर रहे है।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर डी श्रेणी, कर-करेत्तर, लम्बित रिट याचिकाओं, राजस्व कार्यो एवं राजस्व न्यायालयों से सम्बन्धित डीएम ने की समीक्षा बैठक

लंबित वादों, कर-करेत्तर वसूली और आईजीआरएस निस्तारण पर जिलाधिकारी की कड़ी समीक्षा

भदोही। कर-करेत्तर, लम्बित रिट याचिकाओं, राजस्व कार्यो एवं राजस्व न्यायालयों से सम्बन्धित मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर डी श्रेणी की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी शैलेष कुमार की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों के साथ किया गया।

जिलाधिकारी ने सभी तहसीलदारों को निर्देश दिया कि अमीनवाईज वसूली की समीक्षा करें। साथ ही पेट्रोल पम्पों के सत्यापन के लिए बाटमाप अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया कि टीम गठित कर, अभियान चलाकर कम से कम रैंडम 10 प्रतिशत पेट्रोल पम्पों की जॉच करें। जिलाधिकारी ने सभी एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार को 05 साल से अधिक वादों का निस्तारण सुनिश्चित करनें का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी मजिस्ट्रेट न्यायालयों के उपस्थित पेशकारों को ब्रीफ किया कि वादों का एजेंडा, रिपोर्टिंग, टिप्पणी सही ढंग से सुस्पष्ट व तार्किक करें। डीएम ने समस्त एसडीएम व तहसीलदार को कड़े निर्देश दिया कि आरसी की वसूली प्रत्येक दशा में शत-प्रतिशत पूर्ण कराना सुनिश्चित कराये। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि कुम्हारी कला, मत्स्य आवंटन हेतु पात्र लाभार्थियों का चयन करें, अपात्रों को किसी भी दशा में लाभ न दिया जाये। जिलाधिकारी ने

आईजीआरएस की समीक्षा में असंतुष्ट फीडबैक शिकायतकर्ता से सम्बन्धित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए लग कर निस्तारित कराते हुऐ रैंक सुधार पर जोर दिया। हैसियत नामा में लम्बित आवेदनों को प्रतिदिन अनुश्रवण करते हुए निस्तारण का निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिया। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत डिल्फाटर श्रेणी में न हो, समय रहते शिकायत का गुणवत्तापूर्वक निस्तारण करें , नही तो कठोर कार्यवाही होगी।

जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली पूरी करें, इसमें किसी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी, अधिकारी राजस्व वसूली में हिला-हवाली करेंगे तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वसूली समीक्षा के दौरान परिवहन व मण्डी वसूली कार्य कम होने पर सम्बन्धित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगायी, और वसूली कार्य शत-प्रतिशत करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने परिवहन, आबकारी, राजस्व, अधिशासी अधिकारी, खनन आदि विभागों को अभियान चलाकर लक्षित राजस्व वसूली किये जाने पर बल दिया।

जिलाधिकारी ने कर करेत्तर एवं लक्ष्य वसूली के सम्बन्ध में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि लम्बित राजस्व वादों का निस्तारण शीघ्र सुनवाई करके उनका निस्तारण किया जाये। कुछ तहसीलों में लक्ष्य के अनुरूप वादों का निस्तारण न किये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये तत्काल लक्ष्य निर्धारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने आई0जी0आर0एस0 के अन्तर्गत प्राप्त शिकायतों का निस्तारण, रिट याचिकायें, खतौनी अशं निर्धारण की कार्यवाही, स्वामित्व योजना, रोस्टर के अनुसार खतौनियों का दाखिला, एंटी भू माफिया जैसे कार्यों पर अब तक किये गये कार्यों की प्रगति को बढ़ाने के निर्देश दिए।बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, समस्त उप जिलाधिकारी प्रशासन/न्यायिक, समस्त तहसीलदार, आदि सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सभी माफियाओं पर बुलडोजर चलाए जाने चाहिए, कफ सिरप रैकेट को लेकर अखिलेश ने उठाए सवाल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोडीन सिरप विवाद पर बोलते हुए दावा किया कि यह रैकेट प्रधानमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र से शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि राज्य का मुख्यमंत्री झूठ बोलती है, और उसके साथ खड़े लोग भी झूठ बोलते हैं। आप कल्पना को बताते हुए सपा नेता नेकई समाचारों की सुर्खियां पढ़ीं और भाजपा पर अहम तथ्यों को छिपाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार समाजवादी पार्टी पर आरोप लगाने के लिए चुनिंदा छवियों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने भाजपा सरकार से पूछा, अगर तस्वीर में खड़े होने से कोई माफिया बन जाता

भी नहीं कर सकते कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र से कफ सिरप का अवैध कारोबार चल रहा है... और यह हजारों करोड़ का है। यह एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह रैकेट अनुमान से कहीं बड़ा है और उन्होंने समाजवादी पार्टी से जुड़े सभी लोगों को कोडीन भैया कहकर संबोधित करते हुए सभी माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आह्वान किया।

अखिलेश ने कहा कि यह 100 या 200 करोड़ रुपये का मामला नहीं है। जो सुनने में आ रहा है, उसके अनुसार इसमें लगभग 700 कंपनियां शामिल हैं और लेन-देन कई हजार करोड़ रुपये का है। कफ सिरप रैकेट की घटनाक्रम है, तो मेरे पास भी मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्रियों और कई भाजपा नेताओं के साथ तस्वीरें हैं। अगर मेरी और मुख्यमंत्री की तस्वीर एक साथ देखी जाए, तो माफिया किसे कहा जाएगा? अखिलेश यादव की ये टिप्पणी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कोदीन कफ सिरप तस्करी मामले में समाजवादी पार्टी पर तीखा प्रहार करने के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पार्टी हर माफिया से जुड़ी है। उन्होंने कहा, 'सभी जानते हैं कि राज्य के लगभग हर माफिया का समाजवादी पार्टी से संबंध है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि एसटीएफ या उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्रवाई में पकड़े गए कुछ आरोपी समाजवादी पार्टी से जुड़े हैं।

माओवादियों नें एए से लिंक और सुरक्षा बलों को सूचना के चलते किया गावड़े का मर्डर, एनआईए ने दबोचे दो आरोपी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने महाराष्ट्र के दिनेश पुसु गावड़े हत्याकांड में फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों वांछित आरोपी प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) आतंकवादी संगठन के सदस्य हैं। इस केस में माओवादियों ने गावड़े का अपहरण कर बेरहमी से मर्डर कर दिया था, क्योंकि उन्हें संदेह था कि वह आरएसएस का सदस्य है और सुरक्षा बलों के साथ सूचना साझा करता है। माओवादी, इस मर्डर के जरिए लोगों को यह संदेश देना चाहते थे कि वे आरएसएस से दूर रहें और नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाने वाले सुरक्षा बलों से कोई बातचीत न करें।

तेलंगाना के निजामाबाद जिले का मामला

एनआईए के मुताबिक, दोनों वांछित आरोपी, जो माओवादी आतंकवादी

संगठन के सदस्य हैं, इनकी पहचान तेलंगाना के निजामाबाद जिले के रघु उर्फ प्रताप उर्फ इरपा उर्फ मुद्देला उर्फ सैलू और महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले के शंकर महाका के रूप में हुई है। दिनेश पुसु गावड़े की नवंबर 2023 में गढ़चिरोली में सीपीआई (माओवादी) के सदस्यों द्वारा बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

स्थानीय ग्रामीणों में दहशत फैलाने की साजिश

उन पर पुलिस मुखबिर होने और आरएसएस का सदस्य होने का संदेह था। यह अपराध संगठन की उस साजिश के तहत किया गया था, जिसके तहत स्थानीय ग्रामीणों में दहशत फैलाई जानी थी। उन्हें नक्सली गतिविधियों और आंदोलनों से संबंधित कोई भी जानकारी सुरक्षा बलों के साथ साझा करने से रोका जाना था।

जघन्य हत्या के पीछे की साजिश का पर्दाफाश करने में जुटी एनआईए

एनआईए ने अक्तूबर 2024 में गढ़चिरोली पुलिस से इस केस की जांच को अपने हाथ में ले लिया था। जांच एजेंसी ने इस मामले में पहले ही चार अन्य आरोपियों - डोबा वड्डे, रवि पल्लो, सत्तू महाका और कोमाटी महाका के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल कर दिया था। मामले की जांच आरसी-03/2024/ एनआईए/एमयूएम के तहत जारी है। एनआईए इस जघन्य हत्या के पीछे की पूरी साजिश का पर्दाफाश करने और फरार बचे आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए प्रयासरत है।

मनोरंजन

'आधा पैसा मेरे अकाउंट में गया है?' फिल्म 'वाराणसी' के 1300 करोड़ बजट पर बोलीं प्रियंका चोपड़ा

मुंबई। कपिल शर्मा के शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का नया सीजन शुरू हो गया है. आज शो का पहला एपिसोड स्ट्रीम हुआ जिसमें एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा फर्स्ट गेस्ट बनीं. इस दौरान एक्ट्रेस ने होस्ट कपिल शर्मा के साथ जमकर मस्ती की.

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 4' के सेट पर प्रियंका चोपड़ा ने कपिल की बीवी गिन्नी को फोन लगाया. इस दौरान एक्ट्रेस ने गिन्नी से कपिल के फ्लर्ट करने को लेकर शिकायत की. इस पर गिन्नी ने कहा कि उन्हें तसल्ली है कि कपिल उनसे ही फ्लर्ट कर रहे हैं. इस दौरान गिन्नी ने प्रियंका से उनकी बेटी मालती मैरी के बारे में भी पूछा.

इतना ट्रैवल कैसी कर लेती हैं प्रियंका चोपड़ा?

कपिल शर्मा ने प्रियंका चोपड़ा से पूछा- 'आप एलए से मुंबई आती हैं, मुंबई से लंदन चली जाती हैं और लंदन से एलए चली जाती हैं शूटिंग के लिए. ऐसी कौन सी चीज है जो आपको ट्रैवल करने के लिए मोटिवेट करती है?' इस पर एक्ट्रेस कहती हैं- 'देखो जब आप अपना बैंक बैलेंस देखते हैं और उसमें जीरो, जीरो, जीरो ऐड होते रहते हैं तो काफी मोटिवेशन मिलती है. लेकिन अपनी काबिलियत को आगे बढ़ाना बहुत जरूरी होता है. अगर इंसान में एव्यूलूशन नहीं होगा, खासकर एक आर्टिस्ट के तौर पर, अब तुम सेम ही शो करते जा रहे हो, तुम्हारी बात अलग है.'

निक जोनस से पहली बार कहां मिली थीं देसी गर्ल

कपिल शर्मा ने प्रियंका चोपड़ा से पूछा कि वो और निक जोनस पहली बार कहां मिले थे. उन्होंने पूछा- 'कबूतर से उनका मैसेज आया था?' इसपर एक्ट्रेस वे कहा- 'कबूतर तो नहीं, लेकिन ट्विटर की जो चिड़िया है उससे मैसेज आया था. उन्होंने मुझे ट्विटर पर डायरेक्ट मैसेज किया था.' इसके बाद कपिल प्रियंका से पूछा- 'ट्विटर से पहले आपने निक के गाने सुने थे?' इसके जवाब में प्रियंका ने कहा- 'मैं गाने जानती थी, लेकिन उनके म्यूजिक से बहुत ज्यादा फैमिलियर नहीं थी. फिर मैंने उनका एक गाना देखा जिसमें उनकी शर्ट फट जाती है. तो मैंने सोचा कि अब तो डेट पर जाना पड़ेगा.'

वाराणसी के बजट पर बोलीं प्रियंका चोपड़ा

इसके बाद कपिल शर्मा प्रियंका चोपड़ा की एस एस राजामौली संग अपकमिंग फिल्म वाराणसी को लेकर बात की. कपिल शर्मा ने पूछा कि इस फिल्म का बजट 1300 करोड़ रुपए है? ऐसी खबरें थीं कि आपके फिल्म में आने के बाद बजट बढ़ा है. इस पर प्रियंका चोपड़ा ने कहा- 'कहना क्या चाहते हो आधा पैसा मेरे अकाउंट में गया है '

इस दौरान जज नवजोत सिंह सिद्धू वे प्रियंका से पूछा कि इस फिल्म का क्या प्लॉट जिसकी वजह से इसका बजट 1300 करोड़ रुपए है. इस पर कपिल शर्मा ने कहा- 'बाहुबली का सेकेंड पार्ट आने से पहले राजामौली सर ने ये नहीं पता चलने दिया था कि कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा, तो आपको लगता है कि वो फिल्म रिवील करेंगे?'

160 करोड़ की दौलत की मालकिन सोनाक्षी सिन्हा को शादी में मिला लाल रंग का फ्रिज गिफ्ट

मुंबई। सोनाक्षी सिन्हा एक ऐसा नाम है जो हमेशा चर्चा में रहता है। सोनाक्षी को फिल्म दबंग से एक अलग पहचान मिली। सोनाक्षी और ज़हीर इक़बाल ने सात साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद शादी कर ली। खास बात यह है कि सोनाक्षी सिन्हा ने कुछ सालों तक ज़हीर इक़बाल के साथ अपने रिश्ते को सबसे छिपाकर रखा था। शादी के बाद सोनाक्षी सिन्हा ज़हीर इक़बाल के परिवार के साथ रहती हुई नज़र आईं। शादी के 16 साल पूरे होने पर सोनाक्षी सिन्हा अपनी शादी पर कमेंट करती नज़र आती हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने हाल ही में अपने फैंस को अपने नए घर की एक झलक दिखाई। सोनाक्षी सिन्हा और ज़हीर इक़बाल का घर बहुत ही शानदार है और उन्होंने इसे खास तौर पर डिज़ाइन किया है। उन्होंने घर के हर कोने को बहुत सोच-समझकर तैयार किया है। फराह खान ज़हीर इक़बाल और सोनाक्षी सिन्हा के घर पहुंची थीं।

सोनाक्षी सिन्हा ने अपने फैंस को अपने नए घर की एक झलक दिखाई। इस समय सोनाक्षी सिन्हा की मां पूनम सिन्हा, ज़हीर इकबाल की मां, ज़हीर और फराह खान के कुक दिलीप मौजूद थे। सोनाक्षी सिन्हा की सास पहली बार कैमरे के सामने आईं। इस दौरान हमें सोनाक्षी के बेडरूम में एक खास लाल फ्रिज देखने को मिला। सोनाक्षी सिन्हा ने हमें बताया कि यह फ्रिज बेडरूम में क्यों रखा गया था।

सोनाक्षी सिन्हा ने कहा कि हमारी दोस्त हुमा कुरैशी ने हमें हमारी शादी में यह खास फ्रिज दिया था। हुमा कुरैशी जानती हैं कि ज़हीर इकबाल का पसंदीदा रंग लाल है, इसलिए उन्होंने यह फ्रिज हमें शादी के तोहफे के तौर पर दिया। 160 करोड़ (160 भैदा) की मालकिन हुमा कुरैशी ने यह फ्रिज सोनाक्षी और ज़हीर इकबाल को उनकी शादी में तोहफे में दिया था।

हुमा कुरैशी सोनाक्षी सिन्हा और ज़हीर इकबाल की सबसे अच्छी दोस्त हैं। हुमा के घर पर ही ज़हीर इकबाल और सोनाक्षी सिन्हा के परिवार पहली बार मिले थे। इतना ही नहीं सोनाक्षी ने पहली बार खुलासा किया कि उन्हें अपनी मां से ज़्यादा अपने पिता शत्रुघ्न सिन्हा को मनाने में समय लगा था। कुछ दिन पहले शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा था कि अगर मेरी बेटी खुश है तो मैं भी खुश हूं। मेरे लिए उसकी खुशी से बढ़कर कुछ नहीं है।

पाकिस्तान हॉकी टीम के मैनेजर ने कराई किरकिरी, विमान के अंदर धूम्रपान करते हुए पकड़े गए

कराची। पूर्व ओलंपियन और मैनेजर के तौर पर एफआईएच प्रो लीग में पाकिस्तान की सीनियर टीम के साथ अर्जेंटीना गए अंजुम सईद उस समय मुश्किल में फंस गए जब ब्राजील में रियो डि जनेरियो हवाई अड्डे पर विमान में ईंधन भरते समय धूम्रपान करने के कारण उन्हें विमान से उतार दिया गया। अंजुम को एक पाकिस्तानी खिलाड़ी के साथ दुबई जाने वाले विमान में चढ़ने की अनुमति नहीं दी गई क्योंकि ब्राजील में ईंधन भरने के लिए विमान के रुकने के दौरान उन्हें धूम्रपान करते हुए पकड़ा गया था।

अंजुम अपने जमाने के माहिर मिडफील्डर रहे हैं और वह 1992 के ओलंपिक सेमीफाइनल में खेले थे। उन्हें टीम अर्जेंटीना के मैनेजर के रूप में भेजा गया था। इस सप्ताह स्वदेश लौटने के बाद अब वह दावा कर रहे हैं कि वह दुबई में कुछ व्यक्तिगत काम के कारण टीम के साथ वापस नहीं आए। लेकिन पाकिस्तान खेल बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तान हॉकी महासंघ से इस घटना की स्वतंत्र जांच कराने का अनुरोध किया है क्योंकि इससे पाकिस्तान की छवि खराब होती है।

उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि अंजुम और एक अन्य खिलाड़ी ने इस मामले को तब तूल दे दिया जब विमान में ईंधन भरते समय मैनेजर को धूम्रपान करने के लिए टोका गया।

कप्तान नया और कोच भी बदला, 2024 से कितनी अलग है 2026 विश्वकप की भारतीय टीम? खिताब बचाने की चुनौती

नई दिल्ली। गत चैंपियन भारत ने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत ने कमर कस ली है। इस वैश्विक टूर्नामेंट को शुरू होने में अभी 49 दिन का समय शेष है, लेकिन भारत ने पहले ही टीम घोषित कर दी है। आईसीसी के नियम के अनुसार, सभी टीमों को सात जनवरी तक टीम घोषित करनी है। हालांकि, टीमें टूर्नामेंट शुरू होने से पहले तक इसमें बदलाव कर सकती हैं।

अब तक किसी टीम ने घरेलू मैदान पर नहीं जीता टी20 विश्व कप

भारत ने 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। अब टीम सात फरवरी से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी जिसके उपकप्तान अक्षर पटेल हैं। सूर्यकुमार और अक्षर की जोड़ी के सामने खिताब बरकरार रखने की चुनौती होगी। ये दोनों खिलाड़ी 2024 विश्व विजेता टीम का भी हिस्सा थे और इन्होंने भारत को विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। टी20 विश्व कप भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि अब तक किसी भी टीम ने ना तो खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया है और ना ही अपनी मेजबानी में विश्व विजेता का खिताब जीता है। भारत के पास अब अपनी जमीन पर टी20 विश्व कप का खिताब बरकरार रखने का सुनहरा अवसर होगा।

ईशान-रिंकू की वापसी, गिल और जितेश बाहर

भारत ने टी20 विश्व कप के लिए जो टीम घोषित की है उसमें दो बड़े बदलाव देखने मिले। अभी तक टी20 में उपकप्तानी की जिम्मेदारी निभा रहे शुभमन गिल टीम में जगह बरकरार नहीं रख सके, जबकि विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद माने जाने वाले जितेश शर्मा भी टीम में शामिल नहीं हैं। ईशान किशन की दो साल बाद टीम में वापसी हुई है, जबकि एशिया कप में शामिल रहे रिंकू सिंह भी टी20 विश्व कप का हिस्सा होंगे। रिंकू पिछली बार टीम में जगह नहीं बना पाए थे। रिंकू ट्रेवलिंग रिजर्व में शामिल थे, लेकिन इस बार वह 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं।

नहीं दिखेंगे रोहित-कोहली जैसे दिग्गज

भारतीय टी20 टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज शामिल नहीं है क्योंकि दोनों ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। पिछले कुछ वर्षों में रोहित और विराट लगातार टी20 विश्व कप का हिस्सा रहे थे, लेकिन अब ये दोनों दिग्गज इस वैश्विक टर्नामेंट में नजर नहीं आएंगे। ऐसे ही ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप को अलविदा कह दिया था और वह भी विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं हैं।

पिछली टीम से आठ खिलाड़ियों ने बरकरार रखी जगह

भारत ने जो टी20 विश्व कप टीम घोषित की है उसमें आठ खिलाड़ी ऐसे हैं जो 2024 वाली टी20 टीम में भी शामिल थे। वहीं, सात खिलाड़ी ऐसे हैं जो अब मौजूदा टीम का हिस्सा नहीं हैं। इसमें रोहित, विराट और जडेजा भी शामिल हैं जो टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। वहीं टीम में जगह बरकरार रखने वाले खिलाड़ियों में सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, संजू सैमसन, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह शामिल हैं। हालांकि, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद सिराज और ऋषभ पंत विश्व कप टीम में जगह नहीं बना सके हैं। ये चारों खिलाड़ी 2024 टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा थे।

कोच गंभीर के सामने कड़ी चुनौती

भारत इस बार नए कप्तान और नए कोच के नेतृत्व में उतरेगा। पिछली बार कप्तान रोहित थे, जबकि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ थे। इस बार दोनों ही नए हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गंभीर हैं, जबकि कप्तानी सूर्यकुमार के पास है। गंभीर ने कोच के रूप में टीम को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब दिलाया है, लेकिन अब उनके सामने घरेलू जमीन पर टी20 विश्व कप का खिताब बरकरार रखने की चुनौती रहेगी।

ऋषभ पंत करेंगे दिल्ली की अगुआई, कोहली और हर्षित ने भी उपलब्धता की पुष्टि की

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट उप कप्तान ऋषभ पंत को24 दिसंबर से शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी के लिए दिल्ली टीम का कप्तान बनाया गया है जबकि दिग्गज विराट कोहली भी आगामी राष्ट्रीय वनडे चैंपियनशिप में दो मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

पंत और कोहली के अलावा तेज गेंदबाज हर्षित राणा, अनुभवी इशांत शर्मा और नवदीप सैनी ने भी टूर्नामेंट में खेलने की इच्छा जताई है। हालांकि दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने पंत, कोहली और राणा के नाम 16 सदस्यीय सूची में शामिल नहीं किए हैं क्योंकि वे पूरे टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे और उनके न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी 2026 से शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला से पहले दो से तीन मैच खेलने की संभावना है।

हालांकि यह साफ नहीं है कि कोहली और पंत किन दो मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। आयुष बडोनी को उप-कप्तान बनाया गया है और जब पंत वनडे टीम के दूसरे विकेटकीपर के तौर पर राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने जाएंगे तो वह कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

नियमित टीम : आयुष बडोनी (उप कप्तान), अर्पित राणा, यश ढुल, सार्थक रंजन, प्रियांश आर्य, तेजस्वी सिंह दहिया, नीतीश राणा, ऋतिक शौकीन, हर्ष त्यागी, सिमरजीत सिंह, प्रिंस यादव, दिविज मेहरा, आयुष डोसेजा, वैभव कंडपाल, रोहन राणा, अनुज रावत (विकेटकीपर)। अतिरिक्त खिलाड़ी : विराट कोहली, ऋषभ पंत, नवदीप सैनी, हर्षित राणा, इशांत शर्मा।

भारत से ऐसी नफरत! पड़ोसी देश की टीम के लिए खेलने पर पाकिस्तान करेगा अपने ही खिलाड़ी पर कार्रवाई

नई दिल्ली। पाकिस्तानी अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत मुश्किल में फंस गए हैं। भारत की निजी टीम की ओर से खेलने के कारण उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है। यह मामला 16 दिसंबर को बहरीन में आयोजित जीसीसी कप से जुड़ा है।

भारतीय टीम से खेलने पर अपने ही खिलाड़ी पर कार्रवाई करेगा पाकिस्तान

दरअसल, सोशल मीडिया पर उबैदुल्लाह के कुछ वीडियो और तस्वीरें वायरल हुईं थीं, जिनमें वह भारतीय जर्सी पहने और भारतीय झंडा लहराते हुए नजर आए थे। इसके बाद पाकिस्तान कबड्डी महासंघ (पीकेएफ) ने मामले को गंभीरता से लिया है। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ के सचिव राना सरवर ने बताया कि इस मुद्दे पर 27 दिसंबर को आपात बैठक बुलाई गई है, जिसमें उबैदुल्लाह राजपूत और कुछ अन्य खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। राना सरवर ने कहा, 'मैं पुष्टि करता हूं कि यह एक निजी टूर्नामेंट था, जिसमें आयोजकों ने टीमों के नाम भारत, पाकिस्तान, कनाडा, ईरान आदि रखे थे। लेकिन सभी टीमों में अपने-अपने देशों के खिलाड़ी थे। भारतीय निजी टीम में भारतीय खिलाड़ी खेले, लेकिन उबैदुल्लाह का उनके लिए खेलना मौजूदा परिस्थितियों में स्वीकार्य नहीं है।'

उन्होंने यह भी दावा किया कि 16 पाकिस्तानी खिलाड़ी बिना महासंघ या पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड की अनुमति के निजी तौर पर बहरीन गए थे। राना ने आगे कहा, 'इन खिलाड़ियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि उन्होंने पाकिस्तान टीम के नाम का गलत इस्तेमाल किया।'

उबैदुल्लाह ने दी सफाई

वहीं, उबैदुल्लाह राजपूत ने इस मामले में माफी मांगते हुए सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उन्हें बहरीन में खेलने का निमंत्रण मिला था और उन्हें एक निजी टीम में शामिल किया गया था। उबैदुल्लाह ने कहा, 'मुझे बाद में पता चला कि टीम का नाम भारतीय टीम रखा गया है। मैंने आयोजकों से भारत और पाकिस्तान के नाम इस्तेमाल न करने को कहा था। इससे पहले भी निजी प्रतियोगिताओं में भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ी एक साथ खेले हैं, लेकिन कभी भारत या पाकिस्तान के नाम से नहीं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे शुरू में यह एहसास नहीं था कि मुझे भारतीय टीम के खिलाड़ी के रूप में दिखाया जाएगा। मौजूदा हालात में मैं ऐसा करने के बारे में सोच भी नहीं सकता।'

भावुक पल! हार्दिक पांड्या ने छक्के से चोटिल कैमरामैन को लगाया गले, बर्फ से की सिकाई

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के छक्कों में से एक छक्का कैमरामैन को लग गया। भारतीय स्टार ने उनके साथ एक भावुक पल साझा किया, जब उन्होंने उनसे माफी मांगी, उन्हें गले लगाया और दर्द कम करने के लिए बर्फ से सिकाई की। हार्दिक का बल्ला आग उगल रहा था और उन्होंने चौकों और छक्कों की झड़ी लगाकर गेंदबाजों को ध्वस्त कर दिया, जिसमें उनकी खास 'कुंग फू पांड्या' वाली आक्रामकता और आत्मविश्वास झलक रहा था।

जहां इन छक्कों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया, वहीं लाइव मैच को कैमरे में कैद कर रहे एक कैमरामैन के लिए यह मनोरंजन थोड़ा फीका पड़ गया, क्योंकि गेंद उनकी ओर उड़ती हुई आई और उनके हाथ पर लगी। गेंद इतनी जोर से उनके हाथ पर लगी कि पास के डगआउट में बैठे सहायक कोच रयान टेन डोएस्केट भी उठ खड़े हुए और देखने लगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा जारी एक वीडियो में कैमरामैन को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि कुछ खास नहीं हुआ, लेकिन अगर चोट शरीर के थोड़े ऊपर या नीचे लगी होती तो स्थिति और बिगड़ सकती थी। पास में मौजूद चिकित्सा कर्मी कैमरामैन को बर्फ की सिकाई कर रहे थे। चोट लगने के बावजूद, उन्होंने पूरी लगन से अपना काम जारी रखा। ऑलराउंडर हार्दिक ने भी राहत व्यक्त करते हुए कहा कि क्रू मेंबर सुरक्षित हैं, 'भगवान मेरे साथ थे क्योंकि चोट उनके हाथ के ऊपर नहीं लगी और ऐसी जगह लगी जहां उन्हें सिर्फ हल्की सी चोट महसूस होती। वह भाग्यशाली थे कि चोट ऊपर नहीं लगी। मैं उनसे माफी मांगता हूं और उनका हालचाल पूछता हूं। मैंने इन दस सालों में, जब से मैं भारत के लिए खेल रहा हूं, उन्हें देखा है। मैं उन्हें अक्सर 'हाय' कहता हूं। शुक्र है, वह ठीक हैं।' वीडियो में हार्दिक उनके पास जाते, उनका हाथ कैसा है पूछते और उन्हें गले लगाते हुए दिखाई दिए। ऑलराउंडर ने दर्द कम करने के लिए कैमरामैन के हाथ पर बर्फ की सिकाई की।

भारत के निर्विवाद टी20 अंतरराष्ट्रीय विजेता के लिए यह दिन रिकॉर्ड और उपलब्धियों से भरा रहा। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2,000 रन पूरे करने वाले पांचवें भारतीय बल्लेबाज बन गए और रोहित शर्मा (4231 रन), विराट कोहली (4188 रन), सूर्यकुमार यादव (2788 रन) और केएल राहुल (2265 रन) जैसे दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए। इसके अलावा, पंड्या ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक भी लगाया। उन्होंने यह उपलब्धि मात्र 16 गेंदों में हासिल की, जो दिग्गज युवराज सिंह से चार गेंदें अधिक है। युवराज सिंह ने 2007 के टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 12 गेंदों में अर्धशतक बनाकर यह रिकॉर्ड बनाया था। हार्दिक ने युवराज सिंह को पीछे छोड़ते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अर्धशतक और कम से कम एक विकेट लेने के दोहरे रिकॉर्ड का रिकॉर्ड अपने नाम किया। हार्दिक ने युवराज सिंह को पछाड़ते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपने देश के लिए सबसे अधिक बार अर्धशतक और कम से कम एक विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया। हार्दिक ने मात्र 25 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और पांच छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 252.00 रहा। गेंदबाजी करते हुए उन्होंने तीन ओवरों में 41 रन तो लुटा दिए, लेकिन उन्हें देवाल्ड ब्रेविस का बहुमूल्य विकेट मिला, जो अभी-अभी लय में आ रहे थे और उनकी पारी को 17 गेंदों में 31 रन पर समाप्त कर दिया, जिसमें तीन चौके और दो छक्के शामिल थे।

मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-खुली निविदा संख्या: मरेप्र कार्य नागपुर - 92-2025, दिनांक 18.12.2025. कार्य का नाम: एडीईएन (मुख्यालय) नागपुर के अंतर्गत डीआरएम कार्यालय भवन की तीसरी मंजिल पर स्थित उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (निर्माण) कार्यालय की पुरानी एसी शीट की छत को पीपीजीआई शीट से बदलने और मरम्मत करने का प्रस्ताव। **अनुमानित लागत:** रु.8515123.43. **बयाना राशी:** रु. 170300/-. **निविदा बंद होने की तिथि 09/01/2026 एवं समय 15:00** ई टेंडरिंग की विस्तृत जानकारी एवं- सूचना तथा ऑन लाइन भाग लेने हेतु रेल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखे।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), मध्य रेल, नागपुर

DE/355

Download UTS App for Tickets

मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

खुली ई-निविदा संख्या: केवायएन - एलडी - 585 - डब्लु - 756 - कांट, दि. 15.12.2025. कार्य का विवरण: मध्य रेलवे के मुंबई मंडल के कल्याण और लोनावला जिलों में पुल के खंभों पर लगे ओएचई ट्रैक्शन ब्रिज के मास्ट को एपॉक्सी ग्राउटिंग और रॉक एंकरिंग द्वारा प्रतिस्थापित करना। **अनुमानित लागत:** रु. 25064447.36. **ईएमडी:** रु. 275300/-. **निविदा पपत्र का शुल्क:** रु.0/-. **समापन अवधी:** 12 महिने। **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं अवधि दि. 07.01.2026 को 11:00 बजे है।** ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की अधिकारीक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा की जानकरी वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क. वि.) मध्य रेल, कल्याण के सुचना पट पर उपलब्ध है।

DE-758

टिकट के लिए यूटीएस ऐप डाउनलोड करें

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

PROVISION OF CCTV FACILITY

मध्य रेल कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी और से दिनांक को बजे तक निम्नलिखित कार्यों के लिये ई निविदा आमंत्रित करते है। **ई निविदा सूचना क्र.: SUR-C-WKS-CCTVGOODS-SHED, दिनाक 19.12.2025. कार्य का नाम:** Provision of CCTV facility in 10 goods sheds over Solapur division. **अनुमानित लागत:** रु.14614457.59. **बयाना रक्कम:** रु. 223100/-. **समापन की अवधी:** 6 महीने। **अनुरक्षण की अवधी:** 12 महीने। **ई निविदा फार्म की किमत:** शून्य। **वेबसाइट ई निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तरिख और समय:** 12.01.2026 up to 15:00 hrs. **वेबसाइट ई निविदा खोलने की तरिख और समय:** 12.01.2026 after 15:30 hrs. **वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in नोट:** संभावित निविदा देने वालों को सलाह दी जाती है कि वे निविदा बंद होने की तारीख से पहले इस टेंडर के लिए जारी किए गए किसी भी बदलाव / शुद्धिपत्र को देखने के लिए वेबसाइट पर बार-बार आते रहें। वेबसाइट: **www.ireps.gov.in**

मंडल रेल प्रबंधक / (वाणिज्य), मध्य रेल, सोलापुर

DE/Sur-75

टिकट के लिए यूटीएस ऐप डाउनलोड करें

टी20 विश्व कप से पहले सूर्यकुमार यादव ने फैंस से आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी का भरोसा जताया

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने हालिया खराब प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी का भरोसा जताया। 2025 में, यादव टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 21 मैचों में 13.62 के खराब औसत से 218 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार यादव ने इस साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है।

यादव आगामी टी20 विश्व कप में 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के उप-कप्तान शुभमन गिल को फिटनेस और फॉर्म संबंधी चिंताओं के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है, और अक्षर पटेल उप-कप्तान के रूप में वापसी कर रहे हैं। शनिवार को बीसीसीआई के मुख्यालय में कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर की उपस्थिति में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने टीम की घोषणा की।

यादव ने पत्रकारों से कहा कि मुझे पता है कि क्या करना है, कहाँ गड़बड़ हो रही है। मेरे पास इस पर काम करने के लिए कुछ समय है। यह बस एक छोटी सी अदृश्य बाधा है जिसे मैं निश्चित रूप से पार कर लूंगा। गिल को टीम से बाहर किए जाने पर व्यापक बहस छिड़ गई। उन्होंने कहा कि मेरा थोड़ा लंबा खिंच गया है। कप्तान यादव ने इस फैसले के पीछे के कारणों को स्पष्ट करते हुए कहा कि चयन खिलाड़ियों की भूमिका और संरचना को ध्यान में रखकर किया गया है, न कि उनके अल्पकालिक प्रदर्शन को। यादव ने कहा कि यह प्रदर्शन की बात नहीं है, यह तालमेल की बात है। हम शीर्ष क्रम में एक विकेटकीपर चाहते थे। हम गिल की गुणवत्ता को जानते हैं। हम रिंकू सिंह और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों को भी अंतिम छोर पर चाहते थे। यादव के लिए, घरेलू विश्व कप में टीम की कप्तानी करना अवसर और जिम्मेदारी दोनों है। यादव ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक अच्छी जिम्मेदारी है... अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलना एक अच्छी चुनौती होगी। भारत को ग्रुप 'ए' में नामीबिया, नीदरलैंड, पाकिस्तान और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ रखा गया है और भारत 7 फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

जम्मू-कश्मीर में बड़ी सुरक्षा खामी उजागर, हाईड्रो प्रोजेक्ट के 29 कर्मचारियों के आतंकी लिंक

नई दिल्ली। पुलिस सत्यापन अभियान में देश की एक प्रमुख विद्युत अवसंरचना परियोजना में सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं सामने आई हैं।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवार में निर्माणाधीन रतले जलविद्युत परियोजना में काम कर रहे 29 कर्मचारियों के आतंकी संबंधों या आपराधिक पृष्ठभूमि होने का पता चला है, जिसके बाद जिला पुलिस ने परियोजना का संचालन कर रही कंपनी को चेतावनी जारी की है। इस खुलासे ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है और जम्मू-कश्मीर में रणनीतिक रूप से संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा जांच पर सवाल खड़े कर दिए हैं। 1 नवंबर को भेजे गए एक पत्र में किश्तवार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) को सूचित किया कि पांच कर्मचारी सक्रिय आतंकवादियों, ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) या आत्मसमर्पण करने वाले आतंकवादियों से संबंधित थे, जबकि 24 अन्य के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित थे।

किश्तवार के द्राबशाला में चिनाब नदी पर बन रही 850 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना, रैटल को इसके रणनीतिक महत्व के कारण, विशेष रूप से क्षेत्र में बढ़ी हुई सुरक्षा चिंताओं के बीच, एक उच्च जोखिम वाले लक्ष्य के रूप में चिह्नित किया गया है। पुलिस के आकलन के अनुसार, एक कर्मचारी के पिता को ओजीडब्ल्यू (अवैध आतंकवादी) के रूप में दर्ज किया गया है, जबकि उनके चाचा मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर सरोरी हिजबुल मुजाहिदीन के सक्रिय आतंकवादी हैं। सरोरी परियोजना में कार्यरत दो अन्य कर्मचारियों के भी करीबी रिश्तेदार हैं। एक कर्मचारी के पिता ने आत्मसमर्पण कर दिया है, जबकि दूसरे कर्मचारी के पिता का नाम सीआईडी रिकॉर्ड में आतंकवादी संगठन से बाहर का सैनिक (ओजीडब्ल्यू) के रूप में दर्ज है।

पुलिस के बयान में नामित शेष 24 कर्मचारियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही चल रही है, हालांकि यह आतंकवाद से संबंधित नहीं है। जिला पुलिस ने चेतावनी दी कि ऐसे पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को नियुक्त करने से परियोजना की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। पत्र में कंपनी को ऐसे कर्मचारियों की नियुक्ति पर पुनर्विचार करने, कड़ी निगरानी रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि के सामने आने पर तुरंत पुलिस को सूचित करने की सलाह दी गई, साथ ही इस बात पर जोर दिया गया कि जलविद्युत परियोजनाएं शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों के प्रति संवेदनशील बनी रहती हैं।

जी राम जी बिल को लेकर मोहन यादव ने कसा कांग्रेस पर तंज, भगवान राम के नाम से इतनी नफरत क्यों?

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष का काम विरोध करना है। उन्होंने विगत भारत गारंटी विधेयक (रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण)) को लेकर कांग्रेस की भगवान राम के प्रति अरुचि पर सवाल उठाया। मुख्यमंत्री यादव ने यह भी बताया कि मूल रोजगार गारंटी योजना एनआरईजीए (राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के रूप में शुरू की गई थी और बाद में चुनाव के संदर्भ में इसमें महात्मा गांधी का नाम जोड़ा गया।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि विपक्ष का काम विरोध करना है और हमारा काम काम करना है। हम सभी जानते हैं कि यह योजना एनआरईजीए के नाम से शुरू की गई थी। चुनाव के संदर्भ में इसमें महात्मा गांधी का नाम जोड़ा गया। मुझे अभी तक समझ नहीं आया है कि कांग्रेस पार्टी को भगवान राम के नाम से इतनी अरुचि क्यों है और आखिर वे किस बात से नाराज हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पहले विपक्ष ने राम मंदिर निर्माण में बाधा डाली थी, उदाहरण के तौर पर जब शिलान्यास समारोह हुआ था, तब वे वहां नहीं गए थे।

उन्होंने आगे कहा कि अयोध्या में मंदिर बनने के बाद भी राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी आज तक वहां नहीं गए हैं। इसलिए मुझे समझ नहीं आता कि कांग्रेस को भगवान राम से इतनी नाराजगी क्यों है। इससे पहले शुक्रवार को संसद ने वीबी-जी राम जी विधेयक पारित कर दिया, जिसे लोकसभा की मंजूरी के बाद राज्यसभा ने भी मंजूरी दे दी। एमजीएनआरईजीए को बदलने वाले इस विधेयक के पारित होने से पहले विपक्षी सदस्य राज्यसभा से वॉकआउट कर गए। उन्होंने मांग की कि विधेयक को एक चयन समिति को भेजा जाए।

विधेयक 18 दिसंबर, 2025 को लोकसभा में पारित हुआ और बाद में 19 दिसंबर को सुबह राज्यसभा ने कड़े विरोध के बीच इसे पारित कर दिया। इस बीच, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह विधेयक गरीबों के कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर महात्मा गांधी के आदर्शों का अपमान करने का आरोप लगाया।

उनके लिए 'बीफ' का केवल एक ही मतलब है, केरल ण्श ने महोत्सव में फिल्म प्रतिबंध को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

तिरूवन्नतपुरम। मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने केरल अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफके) में कई फिल्मों, जिनमें स्पेनिश हिप-हॉप फिल्म 'बीफ' भी शामिल है, के प्रदर्शन की अनुमति देने से पहले इनकार करने के लिए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की कड़ी आलोचना की है।

विजयन ने कहा कि मंत्रालय ने फिल्म के विषय को गलत समझा। उन्होंने कहा फिल्म 'बीफ' के लिए अनुमति नहीं दी। क्यों? क्योंकि उनके लिए बीफ का सिर्फ एक ही अर्थ है। लेकिन फिल्म का हमारे द्वारा खाए जाने वाले बीफ से कोई संबंध नहीं है। यह स्पेनिश हिप-हॉप संस्कृति पर आधारित है, जहां 'बीफ' का अर्थ संघर्ष या विद्रोह होता है। उन्होंने आगे कहा कि भ्रम की स्थिति का एहसास होने पर मंत्रालय ने अंततः फिल्म और पहले प्रतिबंधित अन्य फिल्मों को अनुमति दे दी।

विजयन ने कहा कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अतिक्रमण था और बताया कि शुरुआत में छह फिल्मों को अनुमति नहीं दी गई थी। मुख्यमंत्री ने फिलिस्तीनी फिल्मों पर सरकार के रुख की भी आलोचना की। उन्होंने कहा फिलिस्तीन पर केंद्र सरकार का रुख एक बार फिर स्पष्ट हो गया है, क्योंकि फिलिस्तीनी फिल्मों को अनुमति नहीं दी गई। यह राजनीतिक रूप से प्रेरित निर्णय प्रतीत होता है।

विजयन ने कलात्मक स्वतंत्रता के प्रति महोत्सव की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा आईएफएफके हमेशा किसी भी प्रकार के अलोकतांत्रिक या फासीवादी कदमों का विरोध करेगा। यह हमेशा यहीं रहेगा। ये टिप्पणियां महोत्सव में होने वाली फिल्मों की स्क्रीनिंग से पहले आई हैं, जिनसे दुनिया भर के फिल्म निर्माताओं और दर्शकों के आकर्षित होने की उम्मीद है।

देश 93 एयरपोर्ट पूरी तरह ग्रीन एनर्जी पर,दिल्ली-मुंबई समेत इन बड़े एयरपोर्ट्स ने हासिल किया ये लक्ष्य

नई दिल्ली। देश के 93 एयरपोर्ट ने ग्रीन एनर्जी पर काम रहे है। यह एयरपोर्ट अब अपनी बिजली और अन्य ऊर्जा जरूरतें पर्यावरण के अनुकूल स्रोतों से कर रहे है। राजधानी दिल्ली के अलावा अन्य व्यस्त बड़े एयरपोर्ट मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु एयरपोर्ट्स ने भी कार्बन उत्सर्जन घटाने के सबसे ऊंचे स्तर (लेवल-5) के लक्ष्य हासिल कर लिया है। यह उपलब्धि देश के विमानन क्षेत्र में हरित ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ी सफलता मानी जा रही है।

एयरपोर्ट्स इंटरनेशनल काउंसिल के मुताबिक, ये हवाई अड्डे अब कार्बन न्यूट्रल बन चुके हैं, यानी यहां से निकलने वाली हानिकारक गैसें लगभग न के बराबर रह गई हैं। इसके साथ ही सरकार ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल को बढ़ावा देने की योजना बनाई है। इस योजना के तहत सामान्य विमान ईंधन में 2027 तक 1 प्रतिशत, 2028 तक 2 प्रतिशत और 2030 तक 5 प्रतिशत ग्रीन ईंधन मिलाने का लक्ष्य तय किया गया है।

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान

एक प्रश्न के जवाब में नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने लोकसभा में बताया कि,दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु के हवाई अड्डों ने कार्बन उत्सर्जन घटाने के सर्वोच्च स्तर (लेवल-5) की उपलब्धि हासिल कर ली है। सरकार ने देशभर में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों के विकास के लिए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट नीति बनाई है। इसके तहत यदि कोई राज्य सरकार या निजी कंपनी नया हवाई अड्डा बनाना चाहती है, तो उसे नागर विमानन मंत्रालय को प्रस्ताव भेजना होगा।

मंत्री ने कहा कि नए और मौजूदा हवाई अड्डों का विकास विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभाएगा। इससे दूर-दराज के इलाकों की कनेक्टिविटी बढ़ेगी, पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, लॉजिस्टिक्स मजबूत होगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसे बड़े ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों के शुरू होने से कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इससे आसपास के इलाकों में उद्योगों का विकास, नए शहरों का विस्तार और निवेश बढ़ने की संभावना है। साथ ही, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और लॉजिस्टिक हब के विकास को भी मजबूती मिलेगी।

सरकार मेक इन इंडिया योजना के तहत भारत में विमान और उनसे जुड़े उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए जीएसटी दरों में सुधार, रॉयल्टी समाप्त करना, विदेशी पायलटों और तकनीकी कर्मचारियों के लिए वीजा नियम आसान करना और मरम्मत के लिए लाए गए सामान पर नियमों में छूट जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं।

सीएसआर सिर्फ समाज नहीं, पर्यावरण की भी जिम्मेदारी; वन्यजीवों के पक्ष में अदालत की दो टूक

नई दिल्लीं। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम और दूरगामी संदेश देते हुए साफ कहा है कि कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी को पर्यावरणीय जिम्मेदारी से अलग नहीं किया जा सकता। कंपनियां अगर खुद को सामाजिक रूप से जिम्मेदार बताती हैं, तो उन्हें पर्यावरण और वन्यजीवों के प्रति भी उतनी ही जवाबदेही निभानी होगी।

सीएसआर में पर्यावरण अनिवार्य

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदूरकर की पीठ ने ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) के संरक्षण से जुड़े मामले में कहा कि सीएसआर कोई दान नहीं, बल्कि संवैधानिक कर्तव्य है। कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 51ए (जी) का हवाला देते हुए कहा कि पर्यावरण, जंगल, नदियों और जीव-जंतुओं की रक्षा हर नागरिक और हर संस्था की जिम्मेदारी है। कंपनियां भी एक 'कानूनी व्यक्ति' होने के नाते इस कर्तव्य से मुक्त नहीं हो सकतीं।

गोडावण के लिए सख्त निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान और गुजरात में गोडावण के बचे हुए अंतिम सुरक्षित इलाकों को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि इन

प्राथमिक संरक्षण क्षेत्रों में अब नए पवन टर्बाइन और 2 मेगावाट से अधिक क्षमता वाले सौर प्रोजेक्ट स्थापित नहीं किए जा सकेंगे। साथ ही, ओवरहेड बिजली लाइनों पर भी सख्त पाबंदी रहेगी। कोर्ट ने 'पोल्यूटर पेज़' सिद्धांत लागू करते हुए कहा कि पर्यावरण को हुए नुकसान की भरपाई कंपनियों को ही करनी होगी।

न्यायालय ने दो टूक शब्दों में यह भी कहा कि कंपनियों को यह समझना होगा कि वे गोडावण के आवास क्षेत्र में मेहमान हैं, उसके मालिक नहीं।

हाथी कॉरिडोर पर भी अदालत सख्त

सुप्रीम कोर्ट ने नीलगिरि हाथी कॉरिडोर मामले में भी सख्त रुख अपनाया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने कहा व्यावसायिक गतिविधियों से सबसे ज्यादा नुकसान उन जानवरों को होता है, जो बोल नहीं सकते। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि होटल और रिसॉर्ट हाथियों के प्राकृतिक मार्ग में बाधा डाल रहे हैं और ऐसे मामलों में फायदा हमेशा वन्यजीवों को मिलेगा।

800 से ज्यादा निर्माण सवालों के घेरे में

कोर्ट को अवगत कराया गया कि सिगूर पठार के हाथी कॉरिडोर क्षेत्र में 39 रिसॉर्ट, 390 मकानों समेत 800 से अधिक निर्माण मौजूद हैं। कुछ होटल और रिसॉर्ट मालिकों ने खुद को 'ईको-फ्रेंडली बिजनेस' बताने का दावा किया, लेकिन अदालत ने साफ कहा कि किसी भी तरह का कारोबार जीव-जंतुओं के जीवन से ऊपर नहीं हो सकता। इस मामले पर विस्तृत सुनवाई अब जनवरी में की जाएगी।

उस्मान हादी के अंतिम संस्कार के बाद बांग्लादेश में तनाव बरकरार, समर्थकों ने यूनुस सरकार को दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम

नई दिल्ली। शरीफ उस्मान हादी के अंतिम संस्कार के बाद बांग्लादेश की राजधानी में तनाव बढ़ गया। समर्थकों ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को कड़ी चेतावनी जारी की। उन्होंने हादी की हत्या के लिए जिम्मेदार सभी लोगों की 24 घंटे के भीतर गिरफ्तारी की मांग की। समर्थकों के अनुसार, अंतिम संस्कार के बाद अब धैर्य खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास आरोपियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने के लिए सीमित समय है। हादी के समर्थकों ने चेतावनी दी अगर 24 घंटे के भीतर सभी हत्यारों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो एक बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा।

गौरतलब है कि हादी की जनाज़े की नमाज़ शनिवार दोपहर ढाका में संपन्न हुई। इस नमाज़ में इंकलाब मंचो के संयोजक के लिए बड़ी संख्या में लोग प्रार्थना करने पहुंचे। परिवार की इच्छा के अनुसार, हादी को राष्ट्रीय कवि काज़ी नज़रुल इस्लाम की कब्र के बगल में

दफनाया गया। सुबह से ही शोक मनाने वाले लोग समूहों में मानिक मियां एवेन्यू पर पहुंचने लगे और देखते ही देखते संसद के सामने का रास्ता लोगों से भर गया। भीड़ में से कुछ लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज ओढ़ा हुआ था, जबकि अन्य लोग हादी की हत्या के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगा रहे थे।

हादी के निधन पर शनिवार को राजकीय शोक मनाया जा रहा है। इस दिन राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और पूजा स्थलों पर विशेष प्रार्थनाएं आयोजित की जाएंगी। इंकलाब मंचो के समर्थकों द्वारा दो दिनों के विरोध प्रदर्शन के बाद राजधानी में अपेक्षाकृत शांति का माहौल रहा। बीडीन्यूज़24 के हवाले से एएनआई ने बताया कि उनकी अंतिम संस्कार प्रार्थना से पहले बांग्लादेश गार्ड बॉर्डर और पुलिस को संसद भवन और ढाका के अन्य प्रमुख स्थानों पर तैनात किया गया था। इंकलाब मंचो के निर्देशों के अनुसार, अंतिम संस्कार प्रार्थना सभा में केवल बांग्लादेश का राष्ट्रीय ध्वज ही फहराया गया।

बांग्लादेश में पीट-पीटकर मार दिए गए हिंदू युवक के पिता ने तोड़ी चुप्पी

ढाका। युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद देश में व्याप्त अशांति के बीच, बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में शुक्रवार को भीड़ द्वारा पीट-पीटकर एक हिंदू व्यक्ति की हत्या कर दी गई। मृतक के पिता, जिनकी पहचान 27 वर्षीय दीपू चंद्र दास के रूप में हुई है, ने अब इस घटना के बारे में बात की है और इसके बाद की स्थिति में निराशा व्यक्त की है। रविलाल दास ने बताया कि उनके बेटे के शव को पेड़ से बांधकर आग लगा दी गई थी।

उन्होंने कहा कि परिवार को सबसे पहले इस घटना की जानकारी फेसबुक पर मिली, और धीरे-धीरे और भी लोग इसके बारे में बात करने लगे।

रविलाल ने बताया कि हमें तब पता चला जब किसी ने बताया कि उसे बुरी तरह पीटा गया है। आधे घंटे बाद, मेरे चाचा आए और मुझे बताया कि वे मेरे बेटे को ले गए और उसे पेड़ से बांध दिया। इस घटना को भयानक बताते हुए उन्होंने आगे कहा, 'फिर उन्होंने उस पर केरोसिन डालकर आग लगा दी। उसका जला हुआ शव बाहर छोड़ दिया गया। पीड़ित के पिता ने यह भी कहा कि बांग्लादेश सरकार ने कोई आश्वासन नहीं दिया है। रविलाल ने बताया, सरकार की ओर से किसी ने कोई आश्वासन नहीं दिया। किसी ने कुछ नहीं कहा। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने आज सुबह कहा कि लिंचिंग के सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि प्रशासन ने शुक्रवार को इस हत्या की निंदा की थी। युनुस प्रशासन ने बताया, तेज कार्रवाई बटालियन (आरएबी) ने मयमनसिंह के बलुका में सनातन हिंदू युवक दीपू चंद्र दास (27) की पीट-पीटकर हत्या के मामले में सात लोगों को संदिग्ध के रूप में गिरफ्तार किया है। उनके बयान के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद लिमोन सरकार (19), मोहम्मद तारेक हुसैन (19), मोहम्मद माणिक मिया (20), इरशाद अली (39), निजुम उद्दीन (20), अलोमगीर हुसैन (38) और मोहम्मद मिराज हुसैन एकॉन (46) शामिल हैं।

80 साल पहले स्थापित वैश्विक व्यवस्था स्पष्ट रूप से बिखर रही, सिम्बायोसिस इंटरनेशनल के दीक्षांत समारोह में बोले जयशंकर

नई दिल्ली।विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक पदानुक्रम में महत्वपूर्ण बदलाव आया है और 80 साल पहले स्थापित वैश्विक व्यवस्था स्पष्ट रूप से बिखर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यह स्वीकार करना आवश्यक है कि वैश्विक शक्तियां अब सार्वभौमिक होने में सक्षम नहीं हैं। जयशंकर ने कहा कि आज की दुनिया की स्पष्ट तस्वीर खींचना एक वास्तविक समस्या है क्योंकि इसका बहुत बड़ा हिस्सा परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। विदेश मंत्री पुणे में सिम्बायोसिस इंटरनेशनल के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे।

जयशंकर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि चलिए अब कुछ दशकों आगे बढ़ते हैं और वर्तमान समय की बात करते हैं। विश्व की बात करें तो आज इसकी कोई निश्चित तस्वीर पेश करना वाकई एक बड़ी चुनौती है क्योंकि इसका बहुत बड़ा हिस्सा परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। लेकिन 80 साल पहले स्थापित वैश्विक व्यवस्था स्पष्ट रूप से बिखर रही है। वैश्विक व्यवस्था में हो रहे बदलावों के कारणों की बात करते हुए,

जयशंकर ने इसका श्रेय विशेष रूप से बड़े देशों की राजनीति और नीतियों को दिया। हालांकि, वे खुद उन रुझानों पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं जो शायद उन्हीं के द्वारा उत्पन्न किए गए हों। इस मामले के मूल में तीन अवधारणाएँ हैं। एक, वैश्वीकरण। दो, पुनर्संतुलन। और तीन, बहुध्रुवीयता। और इन सभी को प्रौद्योगिकी की प्रगति ने गति दी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोई भी शक्तिशाली देश वैश्विक मुद्दों पर अपनी इच्छा थोप नहीं सकता, उन्होंने यह भी कहा कि आज दुनिया में शक्ति और प्रभाव के कई केंद्र उभर आए हैं। कोई भी देश, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, सभी मुद्दों पर अपनी इच्छा थोप नहीं सकता। इतना ही नहीं, इसका यह भी अर्थ है कि अब विश्व के देशों के बीच स्वाभाविक प्रतिस्पर्धा है और यह अपने आप संतुलन बनाती है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)